



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 17] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 29, 1978 (बैशाख 9, 1900)

No. 17] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 29, 1978 (VAISAKHA 9, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च म्यायालयों, नियंत्रक और महालेलापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 अप्रैल 1978

सं. ए० 11013/2/74-प्रशा०-II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंखक अधिसूचना दिनांक 28-1-1978 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों/सहायकों को आयोग के कार्यालय में 1-4-1978 से दो माह की अवधि के लिये अधिकारी आवासी आवैद्वारा तक, जो भी पहले हो, अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं—

1	2	3
4. श्री जे० पी० गोयल		अनुभाग अधिकारी
5. श्री एस० के० अरोड़ा		सहायक
6. श्री जी० बी० माधुर		सहायक

उपर्युक्त अधिकारियों की नियुक्ति अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर होगी और उनका वेतन समय-समय पर संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं. एफ० 10(24)-ई०-III/60 दिनांक 4-5-1961 में निहित शर्तों के अनुसार विनियमित होगा।

प्रभातनाथ मुखर्जी
श्वर सचिव
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

क्र०सं०	नाम	के० सं० से० में धारित पद
1	2	3
1.	श्री बी० एस० जगेषोता	अनुभाग अधिकारी
2.	श्री आर० एन० खुराना	अनुभाग अधिकारी
3.	श्री एस० शीनिवासन	अनुभाग अधिकारी

स्टें से० का ग्रेड ग) श्री के० सुन्दरम को, जिन्हें समसंख्यक आदेश विनांक 2 दिसंबर, 1977 द्वारा 28-2-78 तक पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-78 से 31-5-1978 तक तीन मास की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत में पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति सहर्ष प्रदान की जाती है।

सं० ए० 32014/1/78—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में (के० स० स्टें से० का ग्रेड ग) स्थायी वैयक्तिक सहायक तथा इस समय स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के बीच ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एस० पी० मेहरा को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-1978 से 30-4-1978 तक 61 दिन की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और सदर्थ आधार पर उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टें से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

श्री मेहरा यह नोट कर लें कि वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टें से० ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर है और के० स० स्टें से० के ग्रेड ख में उनके विलयन का या उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं होगा।

दिनांक 15 मार्च 1978

सं० ए० 32013/1/77—प्रशा०—I—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थाई अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है:—

क्र०सं०	नाम	अवधि
	सर्वश्री	
1. वी० एस० रियात	9-3-78 से आगामी आदेशों तक।	
2. आर० आर० अहीर	1-3-78 से 29-4-78 तक।	
3. एल० बी० सिनाटे	1-3-78 से 15-4-78 तक।	
4. प्रीतम लाल	1-3-78 से 15-4-78 तक।	

दिनांक 29 मार्च 1978

सं० ए० 32013/3/76—प्रशा०—I—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 7-2-78 के अनुक्रम में भारतीय राजस्व सेवा (आयकार) के अधिकारी श्री ए० एन० कोलहटकर को राष्ट्रपति द्वारा 11-3-78 से 30-6-78 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया जाता है।

प्र० ना० मुख्यर्जी, अवर सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० एच०-41/66—प्रशा०-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री हरबंस सिह, पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 28-2-78 के अपराह्न से पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नई दिल्ली के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० ए० 19020/1/78—प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री जी० पी० पिलानिया, भारतीय पुलिस सेवा (1955-राजस्थान) को दिनांक 3-4-78 के पूर्वाह्न से अगले प्रादेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापा ने पुलिस उप-महानिरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

जरूरत निहाय, प्रशा० अधिक० (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० श्री ए० II-1045/76—स्था०—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर वी० दलीप मूर्ति को, 6-3-1978 पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तरीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्दोपाध्याय, सहा० निदेशक
प्रशासन

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-24, दिनांक 3 अप्रैल 1978

सं० ई०-38013/2/2/78—कार्मिक—सिंदी से स्थानान्तरित होने पर, ल० शैल मुकुट भिंडे ने 14 फरवरी, 1978 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट एफ० सी० आई० सिंदी के कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 22 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट बोकारो स्टील लिं. बोकारो स्टील सिटी के कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० ई०-38013(1) 1/78—कार्मिक—भिलाई से स्थानान्तरण होने पर, श्री राजा श्रीधरन भा० पु० से० (म० प्र०-1957) ने 17 मार्च, 1978 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट भिलाई इस्पात लिमिटेड भिलाई के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 20 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० दक्षिण थेव, मद्रास, के उप महानिरीक्षक पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-16013(2) 4/74—कार्मिक—अपने मूल काडर को प्रत्यावर्तित होने पर, श्री लछमनदास भा० पु० से० (हरि०-1962) ने 13 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर श्री बी० के० भल्ला भा० पु० से० (म० प्र०-1962) ने 13 मार्च 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/1/78—कार्मिक—फरड़का बैरेज से स्थानान्तरण होने पर, श्री ए० बी० मजूमदार ने 2 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/1/78—कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर, श्री आर० सेशाद्रि ने 16 मार्च, 1978 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० दक्षिण थेव मद्रास मुख्यालय के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78—कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री सी० एम० वरदाराजा ने 16-3-1978 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय मद्रास के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और श्री आर० सेशाद्रि सहायक कमांडेट ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई० 38013(3)/1/78/कार्मिक—राउरकेला से स्थानान्तरण होने पर, श्री एस० के० मुखर्जी ने 21 फरवरी,

1978 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, राउरकेला स्टील प्लाट राउरकेला के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78—कार्मिक—कुन्द्रेमुख से स्थानान्तरित होने पर, श्री एन० जे० सम्बेकर ने 22 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट, के० आई० श्रौ० सी० एल० कुन्द्रेमुख के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

मद्रास से स्थानान्तरित होने पर श्री के०ए० वेंकिष्ण ने 22 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट के० आई० श्रौ० सी० एल० कुन्द्रेमुख के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78—कार्मिक—विशाखापटनम से स्थानान्तरित होने पर श्री श्री० के० शर्मा ने 4 मार्च, 1978 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट विशाखा-पटनम पोर्ट इंस्ट के सहायक कमांडेट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने 14 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट एच० सी० पी० छेत्री नगर के सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ग० च० गोपाल, महानिरीक्षक, के० श्रौ० सु० ब०

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियन्त्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 11 अप्रैल 1978

सं० 440-सी० ए०-1/46-74—सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (कोयला) कलकत्ता कार्यालय में कार्यरक्ष श्री श्रनिल कुमार घोष लेखापरीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्पिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 जनवरी, 1978 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गए।

एस० डी० भट्टाचार्य, उप निदेशक (वाणिज्यिक)

इलाहाबाद, दिनांक 31 मार्च 1978

सं० का० आ० सं० प्रशा०-1/II-144 (XIII)/III/413—महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्थ लेखाधिकारी नियुक्त किया है।

1. श्री मदन मोहन श्रीवास्तवा—23-3-78 पूर्वाह्न
2. श्री जे० उल्य० लारेंस—23-3-78 पूर्वाह्न।

उ० रामचंद्र राव, वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

कलकत्ता-700 001, दिनांक 5 अप्रैल 1978

सं. प्र० 1/947-II/4728—महालेखाकार प्रधम, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित इस कार्यालय/महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय के स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने अंकित तिथि में स्थाईतौर पर लेखा अधिकारी के पद पर बहाल करने की कृपा की है:—

क्र०सं०	नाम	स्थायीकरण दिनांक
	सर्वश्री	
1.	नरेन्द्र नाथ दत्त	1-12-74
2.	वैद्यनाथ राय चौधुरी	1-2-77
3.	सुधीर कुमार बासु	1-2-77
4.	पृथ्वीम चन्द्र दत्त चौधुरी	1-2-77
5.	निमेल कांत चटर्जी	1-3-77
6.	पंकज कुमार दासगुप्त	1-4-77
7.	सुहास चन्द्र मैत्रा	1-5-77

पी० क० बन्द्योपाध्याय, अधिष्ठ उप० महालेखाकार (प्र०) (पश्चिम बंगाल)

मुख्य लेखा परीक्षक, उत्तर रेलवे

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं. प्रशा०/17--14/77—अधीनस्थ रेलवे लेखा परीक्षा सेवा के स्थायी सदस्य सर्वश्री देव राज, पुष्कर नाथ बली और सतीष चन्द्र बाहरी को आगामी आदेश तक क्रमशः दिनांक 16-1-78, 16-2-78 और 24-2-78 अपराह्न से स्थानापन्न तौर पर लेखा परीक्षा अधिकारी 840-40-1000-८० आ०-४०-१२०० रु० के बेतनभान में इस कार्यालय में नियुक्त किया जाता है।

रघुनन्दन जोशी, मुख्य लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-110022, दिनांक 5 अप्रैल 1978

सं. 18342/प्रशा०-II—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा सेवा के एक अधिकारी, श्री दीपांकर सरकार को उस सेवा के बरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर-II (रु० 2250-125/2-2500) में स्थानापन्न रूप में 20 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं. 18352/प्रशा०-II—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री आर० एल० नरसिंहन, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक को दिनांक 30 सितम्बर, 1978 (अपराह्न) से

पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा और वे उसी दिन से विभाग की नफरी पर नहीं रहेंगे।

बी० एग० भीर, रक्षा लेखा अपर महा नियंत्रय

उद्योग मंत्रालय

कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 12(27)/61—प्रशा० (राजपत्रित) —राष्ट्रपति जी कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के सहायक निदेशक (आई० एम० टी०), श्री एस० बी० श्रीवास्तव श्री दिनांक 13-3-1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में तदर्थ आधार पर उप निदेशक (आई० एम० टी०) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० बी० श्रीवास्तव ने दिनांक 13-3-1978 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) में सहायक निदेशक (आई० एम० टी०) पद का कार्यालय छोड़ दिया और दिनांक 13-3-78 (पूर्वाह्न) से ही उप-निदेशक (श्रीदीगिक प्रवर्धन तथा प्रशिक्षण) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० ए०-19018(340)/78—प्रशा० (राजपत्रित) —राष्ट्रपति जी भारतीय सामियकी सेवा के ग्रेड-III अधिकारी श्री ओ० एन० चेतल को दिनांक 15 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री ओ० एन० चेतल ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में दिनांक 15 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से उप-निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 28 मार्च 1978

सं० 12/133/61—प्रशा०-(राजपत्रित) —अफरानिस्तान सरकार में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन के परिणामस्वरूप श्री जे० के० दे ने दिनांक 9 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान (शाश्वा), सोलन में निदेशक (ग्रेड-II) (सामान्य प्रशासन प्रभाग) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 29 मार्च 1978

सं० ए०-19018(334)/77—प्रशा० (राजपत्रित) —संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के आधार पर श्री एस० के बाबतानी को राष्ट्रपति जी दिनांक 6 मार्च, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (ग्रेड-1) (कांच/सिरेमिक्स) के रूप में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एस० के० बाधवानी ने दिनांक 6 मार्च, 1978 (पूर्वाह्नि) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, इंदौर में सहायक निदेशक (ग्रेड-I) (कार्य/सिरेमिक्स) पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

बी० वेंकटरायन्तु, उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1978

सं० प्र०-1/3(26)—राष्ट्रपति, श्री बी० एल० शर्मा को भारतीय उच्च आयोग, लन्दन के पूर्ति स्कॉर्प से लौटने पर दिनांक 15 मार्च, 1978 के पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों के जारी होने पर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुद्यालय में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए के ग्रेड-I) के रूप में नियुक्त करते हैं।

(प्रशासन शाखा-6)

दिनांक 30 मार्च 1978

सं० प्र० 6/247 (225)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन बम्बई निरीक्षण मण्डल में भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-1) के ग्रेड-1 में स्थायी निरीक्षण निदेशक श्री ए० एस० नगरकट्टी दिनांक 28-2-78 के अपराह्नि से निवृत्तमान आगु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 3 अप्रैल 1978

सं० ए० 17011/95/ 76-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मण्डल के अधीन उप-निदेशक निरीक्षण, कानपुर के कार्यालय में भंडार परीक्षक (बस्त) श्री जगमोहन लाल महाना को दिनांक 1 मार्च, 1978 के पूर्वाह्नि से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (बस्त) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० प्र०-1/1(766)—राष्ट्रपति, पूर्ति निदेशक (बस्त), बम्बई के कार्यालय में भारतीय पूर्ति सेवा, द्रुप ए के ग्रेड-II के अधिकारी श्री बी० डेविलरेया को दिनांक 15 मार्च, 1978 के पूर्वाह्नि से और आगामी आदेशों के जारी होने

तक पूर्ति निदेशक (बस्त), बम्बई के कार्यालय में उप-निदेशक भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-II के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

द्रुप्र० प्रकाश, उप निदेशक (प्र०)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

भारतीय मानव विज्ञान मर्केश्वर

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 21 फरवरी 1978

सं० 4-145/77-स्था०—निदेशक, 'भारतीय मानवविज्ञान मर्केश्वर, श्री रमेश चन्द्र को इसी मर्केश्वर के दक्षिणी द्वेष, मैसूर में सहायक नानविज्ञानी (संस्कृतिक) के पद पर अस्थाई रूप से 30 जनवरी, 1978 के पूर्वाह्नि से अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 4(37)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती मधुवन्ती एम० मिराणी को आकाशवाणी, बम्बई में 18-2-1978 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज, प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० ए० 12025/1/77-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री कश्मीरी लाल खौसा को सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थाई रूप में 3 अप्रैल, 1978 (अपराह्न) में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

कै० एस० श्रीनिवासन, वरिष्ठ कार्पी राइटर
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

फिल्म समारोह निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 2/2/78-एफ० एफ० डी०—एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि फिल्म समारोह निदेशालय की अधिसूचना संख्या 2/1/78-एफ० एफ० डी० दिनांक 7 फरवरी, 1978 में प्रकाशित राष्ट्रीय फिल्म समारोह, 1978 की नियमावली के नियम 9 के

अनुसरण में, केंद्रीय सरकार ने दो राष्ट्रीय जूरियों द्वारा प्रस्तुत की गई सिफारिशों के आधार पर निम्नलिखित फ़िल्मों/निर्माताओं/निर्देशकों आदिस्टों/तकनीशियनों को पुरस्कार देने का निर्णय किया है, अर्थात् :—

क्रम संख्या	फ़िल्म का नाम व भाषा	पुरस्कार पाने वाले का नाम	पुरस्कार
1	2	3	4

1. कथा चित्र

1. राष्ट्रीय सर्वोत्तम कथा चित्र के लिए पुरस्कार :

घटशाह (कम्बड़)	निर्माता श्री सदानन्द सुबर्णी, 6, शेरीआर बाग, 77, रामचन्द्र भट्ट मार्ग, बम्बई-400009।	स्वर्ण कमल और 40,000/- रुपए (केवल चालीस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
	निर्देशक श्री गिरीश कासरावली गणेश लाज, शेशावीयपुरम, बंगलौर-560020।	रजत कमल और 20,000/- रुपए (केवल बीस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

2. प्रभावशाली पूर्ण मनोरंजन और कलात्मक सौन्दर्यवाले कथाचित्र के लिए पुरस्कार 1977 :

स्वामी (हिंदी)	निर्माता श्रीमती जया चक्रवर्ती, 17, जय हिन्द सोसाइटी, जे० वी० पी० डी० स्कीम, बम्बई-400056।	स्वर्ण कमल
	निर्देशक श्री बसु चटर्जी, वायलैट विल्ला, वैस्ट एवेन्यू, शांता क्रुज वैस्ट, बम्बई-400054।	रजत कमल

3. सर्वोत्तम निर्देशन के लिए पुरस्कार :

कांचन सीता (मलयालम)	निर्देशक श्री श्रविन्दन, 26/89, उप्पालम रोड, त्रिवेंद्रम-695001।	रजत कमल और 20,000/- रुपए (केवल बीस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
------------------------	---	--

4. सर्वोत्तम पटकथा के लिए पुरस्कार :

भूमिका (हिंदी)	पटकथा लेखक प० सत्यदेव दुबे, श्री श्याम वेनेगल और श्री गिरीश कनाड़, 103, संगम, पैडेर रोड, बम्बई-400026।	रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
----------------	---	---

5. सर्वोत्तम अभिनेता के लिए पुरस्कार :

कोडियेट्टम (मलयालम)	अभिनेता श्री गोपी, टी० सी० 20/397, करामना, त्रिवेंद्रम-695002।	रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
---------------------	--	---

1 2

3

4

6. सर्वोत्तम अभिनेत्री के लिए पुरस्कार :

भूमिका (हिंदी)

अभिनेत्री

कु० स्मिता पाटिल,
१६, समिट हाऊस,
फोरजैट हिल, तारदेव,
बम्बई-४०००३६।

रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

7. सर्वोत्तम बाल अभिनेता के लिए पुरस्कार :

घटश्चाद्व (कन्नड़)

बाल अभिनेता

मा० अर्जीत कुमार,
मार्फत श्री जी० के० भट,
डाकखाना, होम्बेश्वरा,
हेगोड़, कर्नाटक।

रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

8. सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राफी (रंगीन) के लिए पुरस्कार :

शतरंज के खिलाड़ी (हिंदी)

कैमरामैन

श्री सोमेंद्र राय,
५५, लेक पैलेस,
कलकत्ता-७०००२६।

रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

9. सर्वोत्तम सिनेमाटोग्राफी (सादी) के लिए पुरस्कार :

कोकिला (कन्नड़)

कैमरामैन

श्री वालू महेंद्र,
बी/२०९, ७वां एवेन्यू,
अशोक नगर,
मद्रास-६०००८३।

रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

10. सर्वोत्तम ध्वनि आलेखन के लिए पुरस्कार :

गोधूलि (हिंदी)

ध्वनि आलेखक

श्री एस० पी० रामनाथन,
प्रसाद साऊंड स्टूडियो,
कोडम्बकम,
मद्रास-६०००२७।

रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

11. सर्वोत्तम सम्पादन के लिए पुरस्कार :

इकार (हिंदी)

संपादक

श्री वामन भोंसले,
और गुरुदत्त,
मार्फत फिल्म सेटर,
तारदेव, बम्बई-४०००३४।

रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

12. सर्वोत्तम संगीत निर्देशक के लिए पुरस्कार :

घटश्चाद्व (कन्नड़)

संगीत निर्देशक

श्री बी० वी० करंथ,
४७, २०वां त्रास,
छठा ब्लॉक, जयनगर,
बंगलौर-५६००११।

रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

13. सर्वोत्तम पार्श्व गायक के लिए पुरस्कार :

हम किसी से कम नहीं (हिंदी)

पार्श्व गायक

श्री मोहम्मद रफी,
बांदरा, बम्बई-४०००५०।

रजत कमल और 10,000/-रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

1 2

3

4

14. सर्वोत्तम पाश्वर्ण गायिका के लिए पुरस्कार :

16 वयदिनीले (तमिल)

पाश्वर्ण गायिका
 कु० एस० जानकी,
 49, थर्ड स्ट्रीट,
 सीतम्मा कालोनी,
 मद्रास-600017।

राजत, कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार

15. सर्वोत्तम बाल चित्र पुरस्कार :

सफेद हाथी (हिंदी)

निर्माता
 श्री आर० ए० जालान
 और श्री प्रताप अग्रवाल,
 मार्फत नील कमल भूवीज,
 33, चिरंजन एवेन्यू,
 कलकत्ता-700012।
 निर्देशक
 श्री तपै॑ सिन्हा,
 675, ओ ब्लाक, न्यू अलीपुर,
 कलकत्ता-700053।

स्वर्ण कमल और 15,000/- रुपए (केवल पन्द्रह हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

प्रत्येक प्रावेशिक भाषा में सर्वोत्तम कथाचित्र के लिए पुरस्कार :

16. शतरंज के खिलाड़ी (हिंदी)

निर्माता
 श्री सुरेश जिन्दल,
 प्रोपराइटर देवकी चित्र,
 एल 3, इच्छन हाल,
 डा० एनी बीसेट रोड, वर्ली,
 बम्बई-5400018।
 निर्देशक
 श्री सत्यजीत रे,
 1/1, बिशप लेफ्टराय रोड,
 कलकत्ता-700020।

राजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

17. संछारांग (असमिया)

निर्माता
 डा० भवेंद्र नाथ सेकिया,
 गोहाटी विश्वविद्यालय,
 गोहाटी-781014।
 निर्देशक
 डा० भवेंद्र नाथ सेकिया,
 गोहाटी विश्वविद्यालय,
 गोहाटी-781014।

राजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

18. तबूलियू निनादे मगने (कम्बड़)

निर्माता
 श्री बी० एम० बैंकटेश और
 श्री चन्द्रुलाल जैन,
 104, छठा ब्लाक, राजाजी नगर,
 बंगलौर-560010।
 निर्देशक
 श्री बी० बी० करंथ,
 104, 28वां क्रास,
 छठा ब्लाक

राजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

राजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

1 2

3

4

		जयनगर, बंगलौर-560011। और श्री गिरीश कन्दिं, 36, सरस्वत रोड, धारवाड।	
19.	कोडियेट्टम (मलयालम)	निर्माता श्री कुलाशर भास्करन नायर, मैर्निंग डायरेक्टर, चित्रलेखा फिल्म को-आपरेटिव, त्रिवेंद्रम-695017।	रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
		निर्देशक श्री आवूर गोपालकृष्णन, “दर्शनम्”, त्रिवेंद्रम-695017।	रजत कमल और 5000/- रुपए (केवल पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
20.	जैत रे जैत (मराठी)	निर्माता श्रीमती उषा मंगेशकर, 101, प्रभु कुंज, पैठर रोड, बम्बई-400026।	रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
		निर्देशक डा० जब्बर पटेल, दौंद, जिला-पूना।	रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रु०) का नकद पुरस्कार।
21.	चिलकातीरे (उड़िया)	निर्माता श्री श्याम घन राय चौधुरी, हरा गौरी फिल्म्स, वाटर बर्क्स रोड, पुरी-उड़ीसा।	रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
		निर्देशक श्री विप्लव रे चौधुरी, 104/4ए/1, नेताजी सुभाष अन्न बोस रोड, कलकत्ता-700040।	रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
22.	अग्रहारसिल कषुद्दे (तमिल),	निर्माता श्री चार्ली जानप्रथरन, लौरडे, चन्ने रोड पाट्टोम पेलेस डाकखाना, त्रिवेंद्रम-695004।	रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
		निर्देशक श्री जान प्रश्नाहम, 3 लेडी मधवन नायर रोड, महार्लिंगपुरम, मद्रास-600017।	रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

1	2	3	4
23.	ओका ऊरी कथा (तेलुगू)	निर्माता श्री ए० परनधम रेडी, 20/ए, राजा बयोर स्ट्रीट, मद्रास-600017। निवेशक श्री मृणाल सेन, 4 ई, मोतीलाल नेहरू रोड, कलकत्ता-700020।	रजत कमल और 10,000/- रुपए (केवल दस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार। रजत कमल और 5,000/- (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
24.	सर्वोत्तम सूचना वृत्त विद्वानः देशरत्न राजेंद्र प्रसाद (हिन्दी)	निर्माता श्री अरविन्द कुमार सिन्हा, ए-३, क्वीन्स पार्क, ज़ुड़ रोड, बम्बई-400054। निदेशक श्री एम० प्रभात, ए-३, क्वीन्स पार्क, ज़ुड़ रोड, बम्बई-400054।	रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार। रजत कमल और 4,000/- रुपए (केवल चार हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
25.	सर्वोत्तम शोक्षणिक फिल्म टोबेक्को हैबिट्स एंड ओरल केंसर (अंग्रेजी)।	निर्माता। ए० वी० फिल्म्स, 4/13, शाहू बिल्डिंग्स, भगतलेन, माहिम, बम्बई-400016। निदेशक श्री अरुण खोपकर, 4/13, शाहू बिल्डिंग्स, भगतलेन, महीम बम्बई-400016।	रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार। रजत कमल और 4,000/- रुपए (केवल चार हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।
26.	सर्वोत्तम प्रेरक फिल्म अव्यावसायिक/व्यावसायिक : पार्वती (हिन्दी)	निर्माता। श्री शांति पी० चौधुरी, 9/1, लब्लाक प्लेस, कलकत्ता-700019 निवेशक * श्री शांति पी० चौधुरी 9/1, लब्लाक प्लेस, कलकत्ता-700019।	रजत कमल रजत कमल
27.	सर्वोत्तम प्रयोगात्मक फिल्म :] समाधि (केवल संगीत)	निर्माता निवेशक	रजत कमल और 5,000/- रुपए (केवल पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार।

1 2

3

4

भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान,
ला कालेज रोड,
पूना-411004

निर्देशक
श्री जान शंकरमंगलम,
असिस्टेंट प्रो० श्राफ डायरेक्शन,
भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान,
ला कालेज रोड,
पूना-411004 ।

28. सर्वोत्तम कार्टून फिल्म :
प्रकृति का नियम (हिंदी)

निर्माता
श्री जी० पी० अस्थाना,
फिल्म प्रभाग,
भारत सरकार,
24, डा० जी० देशमुख मार्ग,
बम्बई-400026 ।

एनीमेटर ॥
श्री बी० जी० सामन्त,
फिल्म प्रभाग,
भारत सरकार,
24, डा० जी० देशमुख मार्ग,
बम्बई-400026 ।

निर्देशक
श्री बी० आर० भेंगडे,
फिल्म प्रभाग,
भारत सरकार,
24, डा० जी० देशमुख मार्ग,
बम्बई-400026 ।

29. सर्वोत्तम न्यूजरील कैमरामैन,
हिमालयन पिलप्रिमेज (भारतीय
समाचार समीक्षा संख्या 1508)
(अंग्रेजी)

कैमरामैन
श्री सी० एल० कौल,
फिल्म प्रभाग,
भारत सरकार,
24, डा० जी० देशमुख मार्ग,
बम्बई-400026 ।

30. सर्वोत्तम भारतीय समाचार समीक्षा :

अनप्रेसिडेंटिड हेत्वक,

(भारतीय समाचार समीक्षा 1520
में) (अंग्रेजी)

निर्माता,

फिल्म प्रभाग,
भारत सरकार,
24-डा० जी० देशमुख मार्ग,
बम्बई-400026 ।

'रजत कमल' और 4,000/- रुपए (केवल चार
हजार रुपए) का नकद पुरस्कार ।

'रजत कमल' और 5,000/-रुपए (केवल पांच
पांच हजार रुपए) का नकद पुरस्कार ।

'रजत कमल' और 5,000/-रुपए (केवल पांच
हजार रुपए) का नकद पुरस्कार ।

'रजत कमल' और 4,000/-रुपए (केवल चार
हजार रुपए) का नकद पुरस्कार ।

'रजत कमल' और 5,000/-रुपए (केवल पांच
हजार रुपए) का नकद पुरस्कार ।

'रजत कमल' और 5,000/-रुपए (केवल पांच
हजार रुपए) का नकद पुरस्कार ।

1 2

3

4

3. दादा साहब फाल्के पुरस्कार

श्री नितिन बोस,
19, परिन विला,
पाली हिल रोड,
बोंडा,
बम्बई-400056

'स्वर्ण कमल' और 40,000 रुपए (केवल चालीस हजार रुपए) का नकद पुरस्कार और एक शाल।

टी० ए० रामच्छा
संयुक्त निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अप्रैल 1978

सं० ए० 38013/1/78-भण्डार-I—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर मेडिकल स्टोर डिपू, मद्रास के सहायक डीपू मैनेजर श्री पी० आर० बत्रा 31 जनवरी, 1978 अपराह्न को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

दिनांक 11 अप्रैल 1978

सं० ए० 38017/1/78-भण्डार-I—मेडिकल स्टोर डीपू, मद्रास के सहायक डीपू मैनेजर श्री के० गणेशन का आकस्मिक निधन हो जाने के फलस्वरूप वह 17 मार्च, 1978 से सरकारी सेवा में नहीं रहे हैं।

संगत सिंह, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० ए० 12026/24/77(मुख्य)/प्रशा०-I—श्री के० सी० मंगल की छुट्टी समाप्त होने पर श्री एस० एम० शर्मा ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के केन्द्रीय औषधि भानक नियंत्रण संगठन से 25 जनवरी, 1978 अपराह्न से तकनीकी अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 11 अप्रैल 1978

सं० ए० 12025/43/76—(रा० सं० रो० सं०)। प्रशा०-I—राष्ट्रपति ने श्री श्यामल विष्वाम को 18 जून, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोड प्रस्थान, दिल्ली में अनुसंधान अधिकारी (कॉट विज्ञान) के पद पर नियुक्त किया है।

श्याम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशा० (सं०व०प०)

परमाणु ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 29 मार्च 1978

सं० ए० एम० डी०-1/30/77-प्रशा०—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री शिवधरन रघुवंशी को 15 मार्च,

1978 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
वरिष्ठ प्रशा० एवं० लेखा अधि०

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400 008, दिनांक 31 मार्च 1978

संदर्भ भाषापाठ०/स्था०/1/टी०-1/1539—भारी पानी परियोजनाओं के विशेष कार्य-अधिकारी, श्री विजय गजानन ताम्हाणे, स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक, भाभा परमाणु अनु-संधान केन्द्र के, जो भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न सहायक लेखा कार द्वारा हैं, को, श्री एस० के० लिम्यै, सहायक लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) जो लूटी पर हैं, के स्थान पर 3-1-78 (पूर्वाह्न) से 16-3-1978 (अपराह्न) तक, उसी परियोजना में स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्र० अधिकारी

परमाणु विद्युत् प्राधिकरण

मुम्बई-400 039, दिनांक 30 मार्च 1978

सं० ए० पी० ए०/प्रशा०/2/10/76—अध्यक्ष एवं मुख्य प्रबन्धक एतद्वारा इस विभाग के एक स्थानापन्न निजी सचिव श्री वी० वी० सङ्करवाल को 1 मार्च 1976 से निजी सचिव के पद पर मौलिक रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० मुरली, मुख्य प्रशासन एवं० लेखा अधिकारी
कूते अध्यक्ष एवं मुख्य-प्रबन्धक

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 5 अप्रैल 1978

सं० ए० उ० के०/स्था०/संचार/ए० ओ०/10/78—
अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निवेशक ने श्री जमूना प्रसाद

को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थाई रूप में, अन्तरिक्ष विभाग, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष उपपोर केन्द्र में 7 नवम्बर, 1977 से आगामी आदेश तक नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर, प्रधान
कामिक और सामान्य प्रशासन

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 5 मार्च 1978

सं० ई० (I) 03706—वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली, भारत मौसम विज्ञान विभाग में, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री एस० के० सान्याल निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर, 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (I) 04175—वेधशालाओं के उपमहानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली, भारत मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री गुरचरण सिंह निवर्तन की आयु पर पहुंचने पर 31 जनवरी, 1978 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

गुरुमुख राम गुप्ता, मौसम विज्ञानी
कूटे वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० ए० 32013/14/77-ई०-I—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० गणेशन, निदेशक अनुसंधान तथा विकास को दिनांक 1-3-78 से 29-4-1978 तक श्री पी० के० रामाचन्द्रन जिन्हें हस्त अवधि के लिये छुट्टी मंजूर की गई है, के स्थान पर तदर्थे आधार पर उपमहानिदेशक नागर विमानन के ग्रेड में नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द्र जैन, सहायक निदेशक प्रशासन
कूटे महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1978

सं० ए० 32013/1/78-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री के० आर० रामानुजम, सहायक तकनीकी अधिकारी को श्री एस० के० गोविलकर, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के स्थान पर, जिन्हें 43 दिन की अर्जित छुट्टियां मंजूर की गई, दिनांक 7-3-78 (पूर्वाह्न) से तदर्थे आधार पर तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है।

सं० ए० 32014/1/78-ई० सी०—महानिदेशक, नागर विमानन ने श्री टी० एल० रत्नवानी तकनीकी सहायक को, श्री सी० पी० राव, सहायक तकनीकी अधिकारी जिन्हें

25-2-78 से 60 दिन की अर्जित छुट्टियां मंजूर की गई हैं, के स्थान पर दिनांक 15-3-78 पूर्वाह्न से तदर्थे आधार पर सहायक तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/2/78-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री डी० डे० संचार, सहायक को दिनांक 20-2-78 (पूर्वाह्न) से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम, कलकत्ता में तैनात किया है।

सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० 16/267/77-स्था०-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री ए० पी० कुरील को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, में पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत 'लट्ठों और काष्ठ खण्डों का सड़न और कीड़े लगाने से बचाने की सस्ते रीतियों का विकास' नामक योजना में 8 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष नियमित रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/285/77-स्था०-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री रथुवीर सिंह भण्डारी अनुसंधान सहायक, प्रथम वर्ग को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून की पांचवीं पंचवर्षीय योजनाओं के अन्तर्गत 'आर्थिक भवत्व की बृक्ष जातियों के वन रोपां और नाशि कीटों का मूल्यांकन तथा उनका नियन्त्रण (कीट विज्ञान योजना में दिनांक 22-9-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष नियमित रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/287/77-स्था०-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री राम मोहन मिश्र को दिनांक 22-9-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष नियमित रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/288/77-स्था०-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री बाल कृष्ण गुप्ता, अनुसंधान सहायक, प्रथम वर्ग, को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून में दिनांक 22-9-77 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 16/291/77-स्था०-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री कल्याण सिंह, अनुसंधान सहायक, प्रथम वर्ग, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय के पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत

‘वन नृदा प्रयोगशालाएं (वन मृदा व वनस्पति सर्वेक्षण)’ योजना में दिनांक 9 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० 16/148/77-स्था०-१—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, ने डा० राजेश पन्त, अनुसंधान अधिकारी, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय की सेवाएं दिनांक 1 मार्च, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक बाह्य सेवा प्रतिनियुक्ति की घर्ती पर सहर्ष हिन्दुस्तान पेपर निगम लिमिटेड को सौंप दी हैं।

पी० आर० के० भट्टाचार, कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालिय

पटना, दिनांक 6 अप्रैल 1978

मि० सं० 11 (7) 2-स्था०/78/3788—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालिय, पटना के श्री मोजाहिरुद्दीन, सहायक मुख्य लेखा पदाधिकारी, अपनी सेवा की अवधि पूरी कर दिनांक 31-1-78 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 23 मार्च 1978,

मि० सं० 11 (7) 2-स्था०/78/3789—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालिय, पटना के श्री पी० के० राय, स्थानापन्थ मुख्य लेखा पदाधिकारी अपनी सेवा की अवधि पूरी कर दिनांक 31-1-78 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 10 अप्रैल 1978

मि० सं० 11 (7) 1-स्था०/77/3876—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा-शुल्क समाहर्तालिय पटना के निम्नलिखित अधीक्षक श्रेणी ‘बी०’ अपनी सेवा की अवधि पूरी कर उनके नाम के सामने दिए गए तिथि और सम्यानुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्र० सं० नाम

सेवा निवृत्ति की तिथि

सर्वेश्वी

1. बी० एन० राय	31-12-77 (अपराह्न)
2. रामाधार ज्ञा	31-1-78 (अपराह्न)
3. एस० मुकुटार अहमद	31-1-78 (अपराह्न)
4. एस० एन० गुहा ठाकुरता	31-1-78 (अपराह्न)
5. एस० के० दास	28-2-78 (अपराह्न)

मि० सं० 11 (7) 1-स्था०/77/3879—केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमाशुल्क समाहर्तालिय, पटना के श्री ए० एल० सेनगुप्ता स्थानापन्थ अधीक्षक श्रेणी ‘ए’ अपनी सेवा की अवधि पूरी कर दिनांक 31-12-77 के अपराह्न में सेवा निवृत्त हुए।

ह० अपठनीय
समाहर्ता

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० 4/78—श्री डॉ एन० गोतम, पूष्ट अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वर्ग ‘ख’ मेरठ ने अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एम० आर० मेरठ के पद का कार्यभार दिनांक 30-11-1977 (अपराह्न) श्री आर० सी० मलहोका अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मेरठ को सांप दिया और अधिविधिता की श्रायु प्राप्त होने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-1978 (अपराह्न) को सेवा निवृत्त हो गये।

क० प० आनन्द, समाहर्ता

नौवहन और परिवहन मंत्रालय
नौवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 17 अप्रैल 1978
व्यापारिक नौवहन

सं० 4(5) सी० आर० ए०/78—नौवहन महानिदेशक, बम्बई, एतद्वारा स्थानापन्थ अधीक्षक श्री टी० पी० गजा को केवल तदर्थ आधार पर तारीख 6-3-1978 पूर्वाह्न से तीन महीने की अवधि के लिये या जब तक कोई नामित पद पर नियुक्त न हो, जो भी पहले हो, तब तक स्थानापन्थ सहायक निदेशक, नाविक नियोजन कार्यालय, बम्बई, के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० बाला, नौवहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 अप्रैल 1978

सं० ए० 19012/664/77-प्रशा०-५—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री जी० एस० एर्लम वरिष्ठ व्यवसायिक सहायक (सांचियकी) को अतिरिक्त सहायक निवेशक (सांचियकी) के पद पर बेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 में पदोन्नत कर 7 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से एक वर्ष तक अथवा जब से यह पद नियमित रूप से भरा जाए इनमें जो भी पहले हो के लिये पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ रूप में पदस्थापित करते हैं।

श्री जी० एस० एर्लम की पदोन्नति अतिरिक्त सहायक निवेशक के पद पर पूर्णतया अस्थाई एवं तदर्थ रूप में की गई है। उन्हें अतिरिक्त सहायक निवेशक (सांचियकी) के पद पर तदर्थ रूप में कार्य करने के आधार पर वरिष्ठता/स्थायी पदोन्नति मानने का कोई अधिकार नहीं होगा।

जे० के० साहा, अवर सचिव

कार्यालय महानिदेशक (निर्माण)

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० 23/2/77-ई० सी०-२—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्न अधिकारी वार्षिकी की श्रायु (58 वर्ष)

प्राप्त करके 31 मार्च, 1978 (दोपहर बाद) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

नाम और पद	कार्यालय
सर्वश्री	
1. श्री० पी० मित्तल	मुख्य इंजीनियर (न० दि० अ०) नई दिल्ली।
2. टी० एस० उपल (कार्य० इजी०)	मकाम अधिकारी, आय-कर विभाग, नई दिल्ली।
3. एम० एस० वेंकटारस्नम	केन्द्रीय विद्युत विभाग, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, कोयम्बटूर।
मु० स० प्रकाश राव, प्रशा० उप-निदे० कृते निर्माण महानिदेशक	

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० 33/12/73-ई० सी०-9/27/40/77-ई०सी०९—
राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री वी० के० सेठी की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1350/- रु० प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 17-3-78 (पूर्वाल्प) से वास्तुक के अस्थाई पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप-ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री सेठी 17-3-78 अपराह्न से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

सं० 33/12/73-ई० सी० 9/27/45/77-ई० सी० ९/—
राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नामित श्री वा० जी० शर्मा की केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 1100-50-1600 रुपये (तथा सामान्य भत्ते) के वेतनमान में 1100/- रुपये प्रतिमास वेतन पर सामान्य शर्तों पर 16-3-78 (पूर्वाल्प) से वास्तुक के अस्थायी पद पर (केन्द्रीय सिविल सेवा ग्रुप ए) नियुक्त करते हैं।

2. श्री शर्मा 16-3-78 पूर्वाल्प से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखे जाते हैं।

कृष्ण कांत, प्र० उप-निदेशक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
महाप्रबन्धक का कार्यालय
(कार्मिक शाखा)

पाण्डु, दिनांक 3 अप्रैल 1978

1. ई०/283/31/भाग-IX (O)—श्री एस० जी० अक्ष-वर्ती, सहायक इंजीनियर (वर्ग-II) को प्रबन्ध वेतनमान में मंडल संरक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 24-11-77 से स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

कार्यपालक इंजीनियर' के पद पर दिनांक 10-10-77 से स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

2. ई०/283/31/भाग-XI (O)—श्री एस० एम० विश्वास, सहायक इंजीनियर (वर्ग-II) को प्रबन्ध वेतनमान में, कार्यपालक इंजीनियर के पद पर दिनांक 10-10-77 से स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

3. ई०/283/III/54 भाग-VIII (O)—श्री ए० एस० सिरील्स सहायक यांत्रिक इंजीनियर (वर्ग-II) को प्रबन्ध वेतनमान में कारब्बाना प्रबन्धक के पद पर दिनांक 13-10-77 से स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

4. ई०/283/III/133 भाग IV (O)—श्री डी० बोस सहायक सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर (वर्ग-II) को प्रबन्ध वेतनमान में जिला सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के पद पर दिनांक 16-10-77 से स्थानापन्थ रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

5. ई०/283/82 भाग-XI (O)—श्री एन० जी० एस० चौधरी वावा निरिक्षक (वर्ग-III) को वर्ग-II सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर दिनांक 1-11-77 से स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

6. ई०/283/III/133 भाग-IV (O)—श्री डी० के० घोष सहायक दूर-संचार इंजीनियर (वर्ग-II) को प्रबन्ध वेतनमान में जिला सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के पद पर 16-11-77 से स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

7. ई०/283/82 भाग-XI (O)—श्री एस० के० सान्ध्याल, यार्ड मास्टर (वर्ग-III) को पूर्णरूपेण तदर्थ रूप से वर्ग-II सेवा में सहायक वाणिज्य अधीक्षक के पद पर दिनांक 17-11-77 से स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

8. ई०/283/82 भाग-XI (O)—श्री एच० पी० अक्षवर्ती, सहायक परिचालन अधीक्षक (वर्ग-II) को प्रबन्ध वेतनमान में मंडल संरक्षा अधिकारी के पद पर दिनांक 24-11-77 से स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

9. ई०/283/III/54 भाग-VIII (O)—श्री के० बी० एस० एस० प्रसाद राव सेक्टोराफी अधीक्षक (वर्ग-III) को पूर्ण रूपेण तदर्थ रूप से वर्ग-II सेवा में सहायक रसायन और धातु विशेषज्ञ के पद पर दिनांक 28-11-77 से स्थानापन्थ रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

10. ई०/283/III/54-भाग-VIII (O)—श्री एच० के० दत्ता, सहायक यांत्रिक इंजीनियर (वर्ग-II) को प्रवर वेतनमान में प्राचार्य सिस्टम टेक्निकल स्कूल के पद पर दिनांक 23-12-77 से स्थानापन्न रूप से काम करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

म० रा० न० मूर्ति, महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पुडुक्कोटै व्यापारिंगल संगम के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 3 अप्रैल 1978

सं० 2120/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पुडुक्कोटै व्यापारिंगल संगम का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कंपनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जाक्कुलिन चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास-6, दिनांक 3 अप्रैल 1978

सं० 5685/560(3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जाक्कुलिन चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण न दर्शित किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

के० पञ्चापकेशन,

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रस्क ट्रेडिंग एण्ड

फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० 4283/3090/एल० सी०—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रस्क ट्रेडिंग एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फोर्जिंस एण्ड कास्टिंग्स लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० 4281/3781-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फोर्जिंस एण्ड कास्टिंग्स लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कंपनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और टेक्सट्रूब प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कानपुर, दिनांक 6 अप्रैल 1978

सं० 4282/3799-एल० सी०—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टेक्सट्रूब प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कंपनी विघटित कर दी गई है।

एस० नारायणनन्,
रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनीज
कानपुर य०० पी०

जालंधर, दिनांक 5 अप्रैल 1978

सं० स्टैट/560/2693/एल०/208—यतः न्यू इण्डिया लकी स्कीम एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड मानक पत्र 38 जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय जालंधर में है, का परिसमाप्त किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताकरक्ती के पास यह विश्वास करने का उचित कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है।

समापक द्वारा दी जाने वाली अपेक्षित विवरणियां (विवरणियां) छ श्रमवर्ती मास की अवधि की नहीं दी गई हैं।

यतः प्रब, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 568 की उपधारा (4) के उपमध्यों के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास का अवसान होने पर न्यू इण्डिया लकी स्कीम एण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किये जाने पर रजिस्टर में से काट दिया जाएगा, और कम्पनी को विघटित कर दिया जाएगा।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनी रजिस्ट्रार
पं, हि० प्र० व चण्डीगढ़

प्रलृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक
रोहतक, दिनांक 30 मार्च, 1978

निर्देश सं० सी० एच० डी०/48/77-78—प्रतः मुझे,
रवीन्द्र कुमार पठानिया सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 557, सैक्टर 18 बी०, है तथा
जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तुरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—46GI/78

(1) श्री हरिन्द्र पाल सिंह पुत्र स्व० श्री पी० एस०
सिंह, सार्फत मुख्तारे-ए-आप श्री नरेन्द्र पाल
सिंह निवासी 13/27 डल्लू० ई० ए० (W.E.A.)
करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

(2) श्री अजीत कुमार सिंह बेदी पुत्र स्व० श्री नरेन्द्र
सिंह बेदी निवासी मकान नं० 557, सैक्टर 18-
बी० चंडीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 557, सैक्टर 18-बी०, चंडीगढ़ और जोकि
किनारे वाले प्लाट पर बना है तथा जिसका रकमा 828
वर्ग मीटर है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 501 मास अगस्त, 1977 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चंडीगढ़

तारीख : 30-3-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंबई

बम्बई, दिनांक 11 अप्रैल, 1978

निर्देश सं० ए० आर० आई०/2021-12/प्रगस्त, 77—

अतः मुझे, एफ० जे० फर्नांडीस,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से बढ़िया है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 756 है तथा जो मलबार और खम्बाला हील, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-8-1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के लिए कमी करना या उससे बचने में सुविधा

—; 1/2/78

अनुसूची

(2) ऐसी बायों आय या किसी धन या अन्व आस्तियों द्वारा जन्मे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या जिस अन्व वाहिए गा, उसना में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण में, मेरे उक्त अधिनियम की आरा 269-ग की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) 1. फामरोज एम० पोचखानवाला, 2. शेरू ए० सूरदास, 3. दिनशा मीनूचेर स्पेन्सर, मफतराज पूखराज मुनोट टेनन्ट्स (अन्तरक)

(2) 1. बमिशैल 2. मिस जी० एस० ताराचंद, 3. लालूभाई जे० पटेल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची जसा की विलेख नं० 914/72 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 19-8-1977 को रजिस्टर्ड किया है।

एफ० जे० फर्नांडीस
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंबई

तारीख: 11-4-1978
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटान, दिनांक 20 मार्च, 1978

निर्देश सं० III-298/अर्जन/77-78/2704—ग्रहण: मुझे,
ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु
से अधिक है

और जिसकी सं० खाता नं० 71, खेसरा नं० 755, बाड़
नं० 34 सरकल नं० 247, है, तथा जो राजापुर टेस्टन, पटना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 6-8-1977

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

ग्रहण: प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सावीनी देवी खेतान, पत्नी श्री हर-
गोविन्द खेतान बैंक रोड, पटना-1 (अन्तरक)
(2) श्री मती कुन्ती देवी, पत्नी श्री जागर नाथ सिंह,
पूरेनिया, थाना विहटा, पो० नडेरा, जिला
पटना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही व्यंग्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकमा:—10 कट्टा 4 धुर जो राजापुर हसन
पटना में है। तथा जिसका तीजी नं० 5453/18231,
खाता नं० 71, खेसरा नं० 755 जिसका वर्णन डी० नं०
2968 दिनांक 6-8-77 में पूर्ण है।

ज्योतीन्द्र नाथ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख: 20-3-1978

मोहर:

प्रस्तुति प्राइवेटी ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

निर्देश नं० आर० य० सी० न० 1/78-79—यतः
मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 3-4-634 है, जो नारायण गुड़ा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखने में वास्तविक रूप से कठित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

घर नं० 3-4-634 नारायण गुड़ा हैदराबाद रजिस्ट्री का
दस्तावेज नं० 2296/77 उपरजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
अर्जन रेंज, हैदराबाद

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की
उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती चक्रीलम राजालक्ष्मि देवी पत्नी स्वर्गीय
सी० लक्ष्मनराऊ घर नं० 23-6-74 बेला
चेन्नूलाल हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्री बी० एम दयाशनकर पीता स्वर्गीय बी० एस० मलार
राऊ घर नं० 3-4-634 नारायणगुड़ा हैदराबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेष्ट:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

दारीख: 8-4-1978

मोहर:

प्रलूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 2/78-79—यतः
मुझे के० एस० वैक्ट कर्मन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 5-9-658 ता० 661 और 644 ता०
646 गनपौनडरी है, जो गनपौनडरी स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन,
24-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में
में उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के उपभारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती अकतबुनीसा बेगम पीता स्वर्गीय गुलाम
कादर घर नं० 5-9-658 ता० 661 गनपौनडरी
हैदराबाद (अन्तरक)
- (2) श्री देवता पापथ्या पीता चेन्नाय्या 3-1-79
मारवाई गली नैजामामाद (अन्तरिती)
- (3) श्री/ मेर्सेस वेनकटापथ्या कम्पनी 5-9-658 ता०
661 गनपौनडरी हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
कामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुसरा मनजीला घर 5-9-658 ता० 661 और 644 ता०
646 गनपौनडरी हैदराबाद रजिस्ट्री का दस्तावेज नं० 2345/
77 उप-रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वैक्ट कर्मन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-4-1978
मोहर :

प्रसूत भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 3/78-79—यतः मूल्ये
के० एस० वैकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ए० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 8 है, जो जनरल मार्कीट में
स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, सीकीन्द्राबाद
में भारतीय रजिस्ट्रक्टर अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 12-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः यद्य, उक्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपक्राता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान :—

(1) श्री महमद युसुफ अली जेनरल मार्कीट के अन्वर में है सीकीन्द्राबाद (अन्तरक)

(2) श्री (1) मोहनलाल जैन (2) मेहसालाल जैन घर न० 7-1-627/2 अलादीन मरकीट सीकीन्द्राबाद (अन्तरिती)

(3) श्री के० आर० सत्यानारायण कपडेकादुकान 7-2-767 मनडी मार्कीट सीकीन्द्राबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 8 वीस्टर्न न० 369 वर्ग फीट घर न० 7-2-867 जनरल मार्कीट सीकीन्द्राबाद रजीस्ट्री वस्तावेज न० 1264/77 उप-रजीस्ट्रार कार्यालय सीकीन्द्राबाद में।

के० एस० वैकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप ग्राइंड टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1978

सं० आर० ए० सी० 4/87-79—यतः मुझे के० एस०
वेंकट रामनप्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का' 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में शहिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है, जनरल बाजार मार्कीट
सिकन्द्राबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्रा-
बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 12-8-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शुद्धिधा
के लिए;ग्रन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—(1) श्री मुहमद युसुफ अली पिता मुहमद अली चिकम
और अनड का दुकान जेनरल मार्कीट के अन्दर
सिकन्द्राबाद में। (अन्तरक)(2) 1. श्री शांतीलाल जैन 2. वीमल जन्द नं० 1
घर नं० 1-8-65 चिकडपली हैदराबाद में 2. घर
नं० 1-7-800/4 मोहननगर हैदराबाद (अन्तरिती)(3) श्री मुहमद कासीम पिता मुहमद जमाल घर नं०
7-2-766 मोनड मार्कीट सिकन्द्राबाद (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर पुछता
भी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्वष्टीकारण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9 बीसी नं० 369 वर्ग फीट नं० 7-2-868
जनरल मार्कीट सिकन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1265/77
उरजीट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-4-1978

मोहर:

प्रक्रम आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर
बंगलूर, दिनांक 20 मार्च 1978

निर्देश सं० सी० आर० नं० 62/12190/77-78/
एक्य०/1—यतः मुझे जे० एस० राव
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 4 है, तथा जो कृष्णराजेन्द्र रोड, बसवन-
गुडी, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बसवनगुडी, में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-8-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का ह प्रतिक्रिया
रे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तथा पावा
वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक मिलित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए वा, उपाने में सुविधा के लिए।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269वा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्पातः:—

(1) श्री के० रामन्ना (के० रामू) पिता श्री ए० पी०
कृष्णप्पा, मैसर्स ए० पी० कृष्णप्पा एण्ड सनस्
नया तरगुपेट, बंगलूर सिटी (अन्तरक)

(2) 1. श्री सी० के० रामन्ना सेटी पिता कुबय्यसेटी
2. सी० आर० विजयकुमार पिता सी० के० रामन्न-
सेटी 3. सी० आर० हरिकुमार पिता सी० के०
रामन्नसेटी सं० 1-3 का नं० 130, राष्ट्रीय विद्या-
लय रोड, वी० वी० पुरम, बंगलूर-4 (अन्तरिती)

(3) श्री बी० एम० लक्ष्मीनरसिंहव्या (वह अवित,
जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीनरसिंहव्या:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

बनुतूची

(वस्तावेज सं० 899/77-78 ता० 1-8-1977)
सारा संपत्ति का जो नं० 4, श्री कृष्णराजेन्द्र रोड,
बसवनगुडी, बंगलूर-4।

वांध:

पूः कनसरवेनसी।
पः श्री कृष्णराजेन्द्र रोड।
उः आर० रघुपति राव का सम्पत्ति
दः एस० श्रीनिवास अव्यंगर का सम्पत्ति

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 20-3-1978

मोहर:

उक्त प्राई. दी. एम. एस. —

प्रावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269वा

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, विनांक 13 अप्रैल 1978

निवेश सं. 70/78-79/1 ए० सी० (ए०/भार०)।
 वी वी एस आर —यतः मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
 भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
 पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269वा
 के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1118 है, जो पुरी टाउन में
 स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
 से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, पुरी में
 भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन 16-7-1977
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
 फल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
 है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
 प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष्य प्रतिकृत से अधिक है
 और अस्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों)
 के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
 उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
 किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त प्रधिनियम
 के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
 (म) ऐसी किसी भाय या किसी भन या भन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय भावकर प्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भन-कर
 प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम
 प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 वा के प्रनुस्तरण में,
 उक्त प्रधिनियम की बारा 269 वा की उपावदा (1) के अधीन;
 निम्नलिखित अस्तियों, पर्याद—
 4-46GI/78

(1) श्रीमती रेणुका घोस, स्वामी डाक्टर अरविन्द
 नाथ घोस (प्रन्तरक)
 (2) श्री कुलमणी दास (प्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्यान के
 लिए कार्यवादियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के पर्यान के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि पा तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की
 तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में
 से किसी अस्ति द्वारा;

(म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवदा
 किसी अन्य अस्ति द्वारा अस्तोहस्ताकरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रपुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
 प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन और मकान मौजा बालुखंड, प्लाट नं. 1118
 पर पुरी टाउन में स्थित है। वह संपत्ती पुरी सबरेजिस्ट्रार
 अफिस में 16-7-1977 तारिख में रेजिस्ट्रार हुआ; जिसके
 डकुमेंट नं. 3467 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
 सकाम प्राधिकारी,
 सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख : 3-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप मार्फत दी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

निर्देश सं० 634—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा (1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० है, प्रष्ठिक है

और जिसकी सं० 33/1 एण्ड 2 है, जो मोगुलूरु में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नंदिगामा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ए स्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय जो बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये,

यतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के प्रनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269वा की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवृत्ति :—

(1) श्रीमती एतुल साम्राज्यमा मोगुकूरु। (अन्तरक)

(2) श्री के० गोपाल्य मोगुकूरु। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजेन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्षण अवधियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइनकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अमृसूची

मोगुकूरु रिजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 15-8-1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3404/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के नागराजन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 22-3-1978
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री विं कामेस्वर राव नंदमपूडी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

(2) पी० सीतादेवी अमलापुरम (अन्तरिती)

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

निर्देश सं० 636—यतः मुझे एन० के० नागराजन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० 76 है, जो अमलापुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलापुरम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-8-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने पा उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रासितियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अमलापुरम रजिस्ट्री अधिकारी से पांक्षिक अंत 30-8-1977 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 3218/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

आरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

तारीख: 22-3-1978

मोहर:

प्रकाप पाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 मार्च 1978

निर्देश सं० 639 यतः मुझे एन० के नागराजन
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्पे से अधिक है

और जिसकी सं० 58-11-113 है, जो संतपेटा, उनगोलु में
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उनगोलु
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 1-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
वाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
बोधास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, ये, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित क्यतियों अवृत्ति :—

- (1) श्री अला रमनथा ओलेटियारिपामले (अन्तरक)
- (2) श्री सी० एच० कोंदडरामथा कामेपल्ली (अन्तरिती)
- (3) वी० वी० एन० कालेज लेवेरेटरीस, उनगोलु
(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग से संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही पर्याप्त होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

उनगोलु रजिस्ट्री अधिकारी से पांचिक अंत 15-8-77
में पंजीकृत दस्तावेज न० 1847/77 में निगमित अनुसूची
सम्पत्ति ।

एन० के० नागराजन
सकम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख : 22-3-1978
मोहर :

प्रकृष्ट शार्दूल ई० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व्य (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० ए०-१७०/सिल/७७-७८—/१५८४-८६—प्रतः
मुझे एग्जर्ट तिग

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व्य के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो पुराना
केटल मारकेत सिलचार में स्थित है (और इससे उपादान
ग्रन्तिकारी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय, सिलचार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 6-8-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती
(प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक
के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थं प्रस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व्य के
अनुबाद में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व्य की
उपलब्धता (1) के अधीन निम्नलिखित अविकारों, अर्थात्—

(1) दिं० एग्जिकिउटिव अफिसर सिलचार म्यूनिसिपल
बोर्ड (प्रत्यक्ष)
(2) दिलिप कुमार पाल, जवाहरलाल पाल, पातंक
बजार सिलचार (प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन के परिमाण 8 काला जो भाग सं० 36, पुराना
केटल मारकेट, परगना बारकपार सिलचार जिला कछार
(असाम) में स्थित है।

एग्जर्ट तिग
सक्रम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 15-3-1978

मोहर:

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 मार्च 1978

निर्देश सं० ए०-१७१/सिल/७७-७८/१५९१-९२—अतः
मुझे एग्रवर्ट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है।

और जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो पुराना
फेटल मार्केट, परगना बारकपार सिलचार में स्थित है (और
इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिलचार में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 5-४-१९७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
मोटीया

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त प्रधिनियम, या धनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, चिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपायारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दि एक्सीक्यूटिव अफिसर सिलचार म्यूनिसिपल
बोर्ड
(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुनिति बाला चौधुरी, वाटर वर्से
सङ्क, सिलचार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि पर तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 3 काता जो भाग सं० 28 पुराना
फेटल मार्केट, परगना बारकपार, सिलचार, जिला कठार
(आसाम) में स्थित है।

एग्रवर्ट सिंग
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 15-३-१९७८

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०

(1) दि० एगजिकिउटिव अफिसर सिलचार म्यूनिसिपाल बोर्ड
(अन्तरक)

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) महमद अब्दूल कबिब, कालिबारी सड़क, सिलचार (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 15 मार्च 1978

निर्देश सं० ए०-१७२/सिल/७७-७८/१५९७-९८—अतः
मुझे, एगवर्ट सिंग
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी दाग सं० 6351 है तथा जो पुराना केटल
मारकेत सिलचार बारकपार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के
कार्यालय सिलचार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, तारीख 5-८-१९७७ को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तवि-
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें मारसीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना बाहिर था, लिगने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अभित्यों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काह भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद्वा किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जिमिन के परिमाप 3 काता जो भाग भाड़ा सं० 8, पुराना
केटल मारकेत, परगना बारकपार, सिलचार, काछार जिला
में स्थित है।

एगवर्ट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 15-३-१९७८
मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 मार्च 1978

निदेश सं० ए०-१७३/सिल/७७-७८/१६२३-२६—मतः
मुझे एग्वर्ट सिंग

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269व के अधीन संसद प्राविकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी दाग सं० 63361 और 6351 है तथा जो फाटकबाजार सिलचार (आसाम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिलचार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर, 6 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितकर्ता) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षित से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षितकर्ता के वायित्व में हुमीं करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(म) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रब, उक्त अधिनियम की आरा 269व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की आरा 269व (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:—

(1) दिं० एग्जिकिउटिव अफिसर सिलचार भूतिसिपाल बोर्ड
(अन्तरक)

(2) 1. कमला कान्त दास गुप्त, 2. अमरित लाल देव रोच, नेपाल चन्द्र देव, राधा माधव नगर सिलचार
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अघोस्त्खाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लपव्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही पर्याय होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाग सं० 34 का एक बजार का जमिन 4 काता जो कि पुराना केटल मारकेत, बारक पार पारगना, जिला कठार सिलचार (आसाम) में स्थित है।

एग्वर्ट सिंग
संसद प्राविकारी
सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख: 16-3-1978

मोहर:

प्रस्तुत प्राइवेट टी० एन० एस०—

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ध(1) वे प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 मार्च 1978

प्रिवेश सं० ए०-१७४/सिल/७७-७८/१६२७-२८—प्रतः
मुझे एगवर्ट सिंग
आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राविकारी को महा विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दाग सं० 6351 है तथा जो पुराना केटल मारकेत सिलचार परगना आरक्षपार में स्थित है (और इससे उपारद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्बलिखित व्यक्तियों प्रवर्तीत:—

5-460178

(1) वि० एगजिकिउटिव अफिसर सिलचार म्यूनिसिपाल बोर्ड
(अन्तरक)

(2) महमद अबदुल जलिल, लखिमपुर रोड, सिलचार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीय करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन के परिमाप 3 काता जो भाग सं० 10 पुराना केटल मारकेत परगना आरक्षपार सिलचार जिला कठार, (आसाम) में स्थित है।

एगवर्ट सिंग
सक्षम प्राविकारी
सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 16-3-1978

मोहर:

प्रस्तुप प्राई. टी. एन. एस. —

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 16 मार्च 1978

निर्देश सं. ए०-१७५/सिल/७७-७८/१६१७-१८—अतः
मुझे, एग्जटेंट सिंग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए०
से प्रधिक है

और जिसकी दाग सं. 6351 है तथा जो पुराना केटल
मार्केट सिलचार परगना बारकपार में स्थित है (और
इससे उपावस्था अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सिलचार में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पर्याप्त
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कठी करने या उससे बचने के लिये सुविधा के लिए; और/या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्में, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अन्तियों, प्रतीतः—

(1) श्री परेस चन्द्र पाल, पदम नगर सिलचार
(अन्तरक)

(2) श्री निरिपेन्द्र चन्द्र पाल, पदम नगर, सिलचार
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अन्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों में से
किसी अन्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमह
किसी अन्य अन्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पात्र
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 2 काला जो भाग सं. 23 पुराना केटल
मारकेट बारकपार परगना, सिलचार, जिला कालाहार (आसाम)
में स्थित है

एग्जटेंट सिंग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 16-3-1978
मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग
शिलांग, दिनांक 22 मार्च 1978

निर्देश सं. ए०-१७६/गो/७७-७८/१५३३-५३—अतः मुझे,
एगवर्ट सिंह,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.
से अधिक है

और जिसकी दाग सं. 223 के० पी० पट्टा सं. 44 है जिसमें
जो दिसपुर गांव बेलटोला मौजा, गोहाटी (आसाम) में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोहाटी
में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 29-८-७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का
कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहिं नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त प्रधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269प के अनुसरण में,
मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269प को उपाधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्ति :—

1. (1) श्रीमती हेमालता वैश्या श्री गोपाल चन्द्र
वैश्या की पत्नी, कृष्णना नगर, चांद मारि,
गोहाटी। (2) श्रीमती शरला वैश्या, श्री सरत
चन्द्र वैश्या की पत्नी, कृष्णना नगर, गोहाटी।
(3) श्रीमती उशा वैश्या श्री प्रोमोद चन्द्र वैश्या
की पत्नी, चन्द्रपुर, गोहाटी। (4) श्रीमती प्रतिभा
वैश्या, (5) श्री दिलिप कुमार वैश्या, (6)
श्रीमती अमृता वैश्या, (7) श्रीमती दिविका वैश्या,

सब (4—7) लड़का, लड़की स्वर्गीय श्रीगु
राम वैश्या का, दिसपुर, गोहाटी (अन्तरक)

2. (1) श्री हुकुम चन्द्र सरावगी, स्वर्गीय
मिसिहाल सरावगी का पुत्र (2) श्री आनन्द लाल
सरावगी, स्वर्गीय जैचन्द्र लाल सरावगी का पुत्र।
(3) श्री सोहन लाल सरावगी स्वर्गीय जैचन्द्र
लाल सरावगी का पुत्र। (4) श्री विजय कुमार
सरावगी स्वर्गीय मिसिलाल सरावगी का पुत्र।
(5) श्री जै कुमार सरावगी, स्वर्गीय कुलचन्द्र
सरावगी का पुत्र। (6) श्री सुरेस कुमार सरावगी
श्री दुंगर मल सरावगी का पुत्र (7) श्री बसन्त
कुमार सरावगी स्वर्गीय जैचन्द्र लाल सरावगी
का पुत्र। (8) पन्ना लाल सरावगी, श्री दुंगर
मल सरावगी का पुत्र। (9) श्री किशोर कुमार
सरावगी, स्वर्गीय मिसिलाल सरावगी का पुत्र।
(10) श्री पवम चन्द्र सरावगी श्री दुंगरमल सरा-
वगी का पुत्र। (11) श्री अर्जित कुमार सरावगी
स्वर्गीय फुलचन्द्र सरावगी का पुत्र। (12) श्री
महेन्द्र कुमार सरावगी स्वर्गीय मिसिलाल सरा-
वगी का पुत्र। (13) श्री मखनलाल सरावगी,
श्री दुंगरमल सरावगी का पुत्र। (14) श्री निर-
न्जन कुमार सरावगी स्वर्गीय पुल चन्द्र सरावगी
का पुत्र केर० आफ मेसस छगनमल सरावगी एन्ड
सान्स, फैन्स बाजार, गोहाटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि या द
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

व्यापोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जमीन के परिमाप 3 (तीन) काटा 1 (एक) ले सा जो
कि दिसपुर गांव, बेलटोला मौजा, कामरूप जिला, गोहाटी,
(आसाम) में स्थित है।

एगवर्ट सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग

तारीख : 22-3-1978

मोहर :

प्रश्न प्राई० टी० एन० एस०—
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 4 दिसम्बर 1977

निवाश सं० आय० ए० सी० अर्जन/52/77-78—प्रश्न:
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, पह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजली मकान नं० 18/1230 से
18/1233 का 516 स्के० फीट भाग है तथा जो जवाहर
रोड अमरावती में स्थित है (और इससे उपलब्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अमरावती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-प
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री नारायण जानराव देशमुख, मोर्सी रोड,
अमरावती
(अन्तरक)
(2) श्री गिरधारीलाल बालमुकुन्द अग्रवाल, लाजनापेठ
तेलीपुरा, अकोला
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजली मकान नं० 18/1230 से 18/1233 जो
नमूल प्लाट नं० 121 पर स्थित है, उसका 516 स्के०
फीट का भाग, शीट नं० 68 ए०, जवाहर रोड, अमरावती
में स्थित है।

ह० च० श्रीवास्तव
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 4-12-1977

मोहर।

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकारकार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1978

निर्देश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/63/78-79—ग्रन्तः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक हैऔर जिसकी सं० दो मंजली मकान, म्य० नं० 5-22-30 है
तथा जो पैठन गेट, औरंगाबाद में स्थित है (और इससे
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29 अगस्त, 1977पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि वृश्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;ग्रन्तः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ को उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारों अर्थात् :—(1) सौ० भागवतीबाई ज० मोतीराम दयालानी,
ओरंगाबाद
(अन्तरक)(2) सौ० लोलाबाई शांतिलाल मुशीयानी, तिलक रोड,
ओरंगाबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
सपात्र होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
किसी अविक्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो मंजली मकान, म्युनिसपल नं० 5-22-30, स्थित
पैठन गेट, औरंगाबाद ।ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 11 अप्रैल, 1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 11 अप्रैल 1978

निर्देश सं० आय० ए० सी० / अर्जन/64/78-79—यतः
मुझे, ह० च० श्रीवास्तव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के प्रधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० दो० मंजली मकान, म्य० न० 5-22-30
है तथा जो पैठन गेट, औरंगाबाद में स्थित है (और इससे
उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय औरंगाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 27
जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाक्त, उक्त अधि-
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसो किसी आय या दूसो धन या अन्य मास्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः मम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपशाखा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अवित्तियों अर्जातः—

(1) श्रो राव साहेब उत्तमचंद गुगले, बीड (अन्तरक)

2 सौ० भागवतीबाई ज० मोतीराम दयालानी, शहांगंज
ओरंगाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

इष्टवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही पर्यंत होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजली मकान, म्य० न० 5-22-30 पैठन
गेट पर स्थित, औरंगाबाद।

ह० च० श्रीवास्तव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन-रेंज, नागपुर

तारीख: 11 अप्रैल, 1978
मोहरः

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 8 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार०/58/77-78—यतः मुझे एस० के० गोपल

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दृसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आधा हिस्सा भू० खण्ड नं० 108 है तथा जो रानी का बाग अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त सम्पत्ति में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की धावत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या भन्य प्राप्तियों को जिस्ते भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा के प्रदूसण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 वा की उपधारा (1.) के अधीन निम्नलिखित अवक्षब्दों, अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री दामोदर दास निवासी अमृतसर बाजार लोहा मण्डी (अन्तरक)

(2) श्री गुरबक्स लाल पुत्र श्री गोविन्द राम प्लाट नं० 108 रानी का बाग, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किराएदार हो। (वह अवक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई अवक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह अवक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी अवक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भन्य अवक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अवधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा भू-खण्ड नं० 108 रानी का बाग, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1648 अगस्त, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोपल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक धायकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 8-3-1978

मोहर :

प्रलेप ग्राही ० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
शारा 269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

निर्देश सं० ए० एस० आर०/५९/७७-७८—यतः मुझे,
एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की शारा 269-ब
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी आधा हिस्सा सं० भू० खण्ड नं० 108 जो
रानी का बाग, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, यहार अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
इप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः मग्न, उक्त अधिनियम की शारा 269ग के अनुसरण में,
मेरे उक्त अधिनियम की शारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अधिकारी:—

(1) श्रीमती गुनवती विधवा श्री किशोरीलाल निवासी
माल रोड, अमृतसर (अन्तरक)
(2) श्री गुरबक्ष स लाल पुत्र श्री गोविन्द राम, प्लाट
नं० 108, रानी का बाग, अमृतसर (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि
कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त,
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा भू-खण्ड नं० 108 रानी का बाग, अमृतसर
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत लिखेख संख्या 1650, अगस्त, 1977 में
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
सकाम प्राधिकारी
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 8-3-1978
मोहर:

प्रस्तुप धाई० टॉ० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० एम० आर०/60/77-78—यतः मुझे
एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सधम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो हेड वाटर वर्क्स रोड, मे० स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

(र) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा न लिए,

प्रन: शब्द, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवत्ति:—

6-46GI/78

- (1) श्रीमती शकुन्तला पत्नी श्रीम प्रकाश निवासी बाजार पश्चकला, अमृतसर (अन्तरक)
- (2) मैसर्ज श्रीम मिलींग एवं डाइग वर्क्स हेड वाटर वर्क्स रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है श्रीर यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री प्रेमिजेज मैसर्ज श्रीम मिलींग एवं डाइग वर्क्स हेड वाटर वर्क्स रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2145 मितम्बर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सधम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 30-3-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 मार्च, 1978

निर्देश सं० ए० एस० आरा०/61/77-78—यतः मुझे
एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० — है तथा जो हेड वाटर वर्क्स रोड,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः, प्रथ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनु-
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती काल्ता गुप्ता पत्नी श्री सुखदेव गुप्ता
निवासी बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरक)
- (2) मैसर्जे श्रीम मिलोग एवं डाइंग वर्क्स, हेडवाटर
वर्क्स रोड, अमृतसर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि
कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जनता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

दब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयृष्ट होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख संख्या 2146
सितम्बर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर
में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख: 30-3-1978

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 मार्च, 1978

निर्देश सं. ए० एस० आर०/62/77-78—यतः मुझे
एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० — है तथा जो हेड वाटर वर्क्स रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में अंशित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिफल के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

(1) श्री परसोत्तम लाल पुजा श्री फकीरचन्द निवासी कटरा घट्यां, अमृतसर (अन्तरक)

(2) मैसर्ज ओम मिलींग एवं डांग वर्क्स हेड वाटर वर्क्स रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख सूची

फैक्ट्री प्रेमिसेज मैसर्ज ओम मिलींग एवं डांग वर्क्स हेड वाटर वर्क्स रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख संख्या 1511 अगस्त 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 30-3-1978

मोहर:

प्रस्तुप माई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 मार्च 1978

निर्देश सं० ए० एस० आर०/63/77-78—यतः मुझे,
एस० के० गोयल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० — है तथा जो हेड वाटर वर्क्स रोड
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या गन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
क्षनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री फकीर चन्द्र पुत्र श्री लालचन्द्र निवासी बाजार
पश्मवाला, अमृतसर (अन्तरक)

(2) मैसर्ज ओम मिलींग एवं डाइंग वर्क्स हेड वाटर
वर्क्स रोड, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर अमांक 2 पर अंतित है और यहि
कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करना पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति स्थावर संपत्ति में
हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, और उक्त
अधिनियम के ग्रन्थाय 20-क में
परिभाषित हैं, वही ग्रन्थ होगा, जो उक्त
ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1780
अगस्त 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में
लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-3-1978

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 31 दिसम्बर, 1977

निर्देश सं० 11017/अर्जन/मेरठ/77-78—भत: मुझे
भार० पी० भार्गव

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 अ०
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० — है तथा जो — में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-8-1977

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह विष्वास करने
का कारण है कि गाथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुदिधा
के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ा के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ० की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, प्रवात:—

(1) कुतुबुद्दीन, सिराजुद्दीन, मुहम्मदुद्दीन, मुहिमुद्दीन एवं
मबूल कादर पुस्तक शेष फरीदुद्दीन निवासी
71, वाउन्डी रोड, मेरठ कैन्ट। (अन्तरक)
(2) श्री नवयुग सहकारी गृह निर्माण समिति लि०
द्वारा श्री गौतम शर्मा अध्यक्ष पुज तारा चन्द
शर्मा निवासी ब्रह्मपुरी मेरठ। (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्त सम्भाली के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 13 विस्ता 4 विस्तावी एवं 13 क्वार्टर्सी स्थित
प्रह्लाद नगर के पास, साकेत के पीछे मेरठ 61850/-
रुपये के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

भार० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 31-12-1977

मोहर:

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 जनवरी, 1978

निर्देश सं० अर्जन/783/फिरोजाबाद/77-78/6807—
प्रत: मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० — है कथा जो में स्थित है (और
इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 20-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप संक्षिप्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिस्में भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपाधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरी श्रीम प्रकाश महेशचंद, रमेश चंद, सतीश
चंद, शशीक कुमार पुत्रगण मदन लाल व प्रसुण
प्रकाश, रामेश कुमार पुत्र श्री हरी श्रीम प्रकाश
व श्रीमती माया देवी स्त्री मदन लाल निवासी
घेरा बोहरान व बाग छिग्गामल फिरोजाबाद ।

(अन्तरक)

(2) मन्मूल, वीरेन्द्र कुमार, दिनेश चंद, सुरेन्द्र कुमार
व प्रनिल कुमार व मुकेश कुमार (नाबालिंग)
पुत्र लाला श्री बाबू निवासी घेरा आसगरान व
छिग्गामल बाग, फिरोजाबाद (प्रन्तरिती)

को यह सूचना तारी रखने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयहाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति कमलाग्लास वक्स (½ हिस्सा) स्थित कोटला
पंजाब, नई बस्ती फिरोजाबाद 1,00,000 रुपये के विक्रय
मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 4-1-1978

मोहर :

प्रध्यप्राई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 जनवरी 1978

निर्देश सं० 1046 ए०/अर्जन/देहरादून/77-78—अतः
मुझे, आर० पी० भार्गव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक हैऔर जिसकी सं० — है तथा जो में स्थित है (और
इससे उपावक्ता अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्री-
करण 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-8-
1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का है प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
मोर्या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को;
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;(1) श्री नगेन्द्र कृष्ण गोतम पुत्र श्री महराज कृष्ण,
डी० 60 रेस कोर्स देहरादून। (अन्तरक)(2) श्री जसवंत सिंह, कुलवंत सिंह, धर्म सिंह, अंजीत
सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्रगण स्वर्गीय श्री बीर
सिंह 35, धामवाला देहरादून। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आंशिकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती है के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।ध्याकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रचं होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति दुमंजिली विलड़न नं० 10 ब्लाक II
(पुराना नं० डी० 60) स्थित रेस कोर्स देहरादून 60,000/-
के विकल्प मूल्य से बेची गयी।आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुरअतः यदि उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन :—तारीख : 18-1-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० 885 ए०/अर्जन/गा० वाद/77-78—/8069

—अतः मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपाधारा (1) अधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स सुग्गा इन्जिनीयरिंग वर्क्स (प्राइवेट) लिमिटेड, एम० एम० रोड, नई दिल्ली । (अन्तरक)

(2) मेसर्स छाबड़ा इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन बी० वी० जिन्दल ट्रस्ट विलिंग्स ए० अली रोड, नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फैक्ट्री विलिंग्स नं० वी० 20 साइट नं० 1 स्थित इन्डस्ट्रियल एरिया बुलन्डशहर रोड जिला गाजियाबाद 3,80,000/- के विक्रय मूल्य से बेची गयी।

आर० पी० भार्गव,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3-1978

मोहर :

प्रख्या ग्राई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्य कार्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मार्च 1978

निर्देश सं० 1409 ए०/अर्जन/कानपुर/77-78/8070—

अतः मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-8-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किमी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राप्त गाँठों का, जिन्हें भारतीय ग्राम-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ प्रतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या प्राप्त किया जाता चाहिए या, छिपाने के लिए;

प्राप्त अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

7-46GI/78

- श्रीमती प्रवीन सक्षेना विधवा स्व० रघुनाथ सहाय सक्षेना व श्री अजय रघुनाथ सक्षेना पुत्र रघुनाथ सक्षेना खुदव पिता व बली कुदरती समिति सक्षेना निवासी 7/183 स्वरूप नगर, कानपुर (अन्तरक)
- रूप किशोर निगम पुत्र कृष्ण विहारी लाल एवं राजेन्द्र कुमार पुत्र रूप किशोर निगम नि० 106/29 गांधी नगर, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पास नहीं नहीं तो अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्ति के प्रकाशन में जोई भी प्राप्तेः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी है, के भीतर पूर्वान्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताभगी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभासित हैं, वही यथा होगा, जो उस अध्याय ने दिया गया है।

वर्तमान

मकान नं० 7/183 स्वरूप नगर कानपुर 1,10,000/- रुपए के विक्रय मूल्य में बेचा गया।

आर० पी० भार्गव
मकान प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-3 1978

मोहर :

प्रलूप थ्राई० टी० एन० एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 14 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1774—यतः, मुझे, बी० एस० वहिया,
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो किसी नगर जलन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं निया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की वावन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करो करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और या

(ब) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थि :—

1. श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री चरण सिंह गांव संसारपुर, जलन्धर (अन्तरक)
2. श्रीमती तरसेम कौर पत्नि श्री भीम सिंह घर नं० 15, किरती नगर, जलन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं० 2 पर है
[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
[वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्रटी जैसा कि विलेख नं० 2991 अगस्त 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जलन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जलन्धर

तारीख : 14-4-1978

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०-१७७५/—यतः, मुझे, वी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269 वा के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो रामा मंडी जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आक्षितयों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में मुविधा के लिए;

यतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्दति:—

1. श्री सोहन सिंह पुत्र श्री भगत सिंह, 13 माडल हाउस कालौनी, लुधियाना (अन्तरक)

2. श्री बिकार सिंह पुत्र श्री गुलबंत सिंह 2. श्रीमती सुदेश कुमारी पति श्री जोगीद पाल 3. श्रीमती विद्या रानी पति श्री कमीरी लाल 4. श्री हरबंस लाल पुत्र श्री भान सिंह नजदीक अलका इंडस्ट्रीज, रामा मन्डी, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है

[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]

4. जो व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

[वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अंजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंजन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लाईकृत में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर जैसा कि विलेख नं० 3011 अगस्त 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

वी० एस० दहिया

सक्रम प्राधिकारी

आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-4-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1776—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ब के अधीन सधाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो नीला महल, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिशत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से चाहते विषय के अन्तर्गत नहीं किया गया है:—

(र) अन्तरण में दृई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शोर्या

(ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी ग्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थे प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

प्रन: यद्य, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के प्रन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ब की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुन्दर सिंह पुत्र श्री दिवान चन्द, एन० एच० 253, नीला महल, जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री हरजीत सिंह जूनेजा पुत्र श्री राम सिंह, एन० एच० 253, नीला महल, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है
[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो
[वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तन्तस्तंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी शब्द व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धर जैसा कि विलेख नं० 3008 अगस्त 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिया गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-4-1978

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अप्रैल 1978

निर्देश नं० ए० पी०-१७७७—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इष्ट से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो बस्ती नौ, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिफल के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसूचित विवर में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरग से तुझे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित विवरणों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण लाल पुत्र श्री गुरदिता मल, 394 डब्ल्यू० एस०, बस्ती शेख, जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री नरीन्द्र पाल सिंह, जतीन्द्र पाल सिंह, श्री हरीन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री दर्शन सिंह निवासी गांव शाफोपुर, जिला जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो

[वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

प्रयोक्तरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

दुकानें जैसा कि विलेख नं० 3483 अगस्त, 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 14-4-1978

मोहर :

प्रूरुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०-१७७८--यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के प्रधीन संभास आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो मोता सिंह नगर, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षित तरीके द्वारा अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) प्रत्यक्षित में हुई किसी प्राप्ति को बाबन, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राप्ति पर किसी व्यापक अन्तरक प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रलट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिखने में सुविधा के लिए।

मत: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कैप्टन गुरदेव सिंह पुत्र मेजर वरयाम आठारनी आफ श्री लखजीत सिंह पुत्र श्री बीर सिंह पुरेवाल, 27, पार्क एरीया, करौल बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री सुरीन्द्र कुमार पुत्र पंडित शान चन्द, 716, मोता सिंह नगर, जालन्धर (2) श्री करतार चन्द शर्मा पुत्र श्री बिशन 718, मोता सिंह, नगर, जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

[वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयांतर्गत करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि विलेख नं० 3337 अगस्त 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 14-4-1978

मोहर :

प्रह्लप शाई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०-1779—यतः, मुझे, बी० एस० दहिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो प्राह पिंड, जालन्धर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई विस्तृत आय की धारा उक्त अधिनियम, के अधीन कर दो के अन्तरण के विषय में कमी करने या उसमें बवने में नुस्खा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के ग्रन्तमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रेशम सिंह पुत्र श्री राम चन्द गांव पत्तर कला, तहसील जालन्धर (अन्तरक)

2. श्री सुरीन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री अरमोन्द्र सिंह गांव प्राह पिंड, तहसील जालन्धर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।

[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है]

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

[वह व्यक्ति, जिनके बारे म अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी वर्तिनीं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 2947 अगस्त 1977 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख: 14-4-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भार्टिडा'

भार्टिडा, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० 10/165/पी० एच० एल०/78-79—
यतः, मुझे, पी० ए० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० में प्रधिक है

और जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
रुड़काकलाँ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, फिलौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल वे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के लायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सहित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ते प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था तो किया जाना चाहिए था, लिपाने
में अनियत हो जाए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथात् :—

(1) श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र करतार सिंह वासी रुड़का
कलां तहसील फिलौर, जिला जालन्थर (अन्तरक)

(2) श्री गुरमेज कौर पत्नी आत्मा सिंह वासी रुड़का
कलां तहसील फिलौर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]

(4) जो और व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

[वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी रखने पूर्वीन सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या तत्त्वाभंधी व्यक्तियों पर सूचना
की नामील में 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि वाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के प्रधाय 20-क में
परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय
में दिया गया है।

अनुसूची

रुड़का कलां गांव में एक मकान जैसा कि विनेश नं०
2191 अगस्त, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में
लिखा है।

पी० ए० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भार्टिडा

तारीख : 7-4-1978

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा
भट्टिडा, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5/एम० के० टी०/78-79—
यह: मुझे पी० एन० मैलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख अगस्त 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रत्यक्षण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
वायिक में कभी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रत्यक्ष बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों वर्ता०:—
8—46 GI/78

(1) श्री राजविंदर सिंह पुन्न श्री प्रमजीत सिंह पुन्न
श्री फूला सिंह बासी लालवाला जतार तहसील
फाजिल्का (अन्तरक)

(2) श्री (1) नथु राम, (2) राजेश कुमार, (3)
ओम प्रकाश, (4) सुरिन्द्र कुमार, (5) हरिश
कुमार, (6) रविन्द्र कुमार पुल मिथन लाल
पुन्न किंशोर चन्द बासी मुक्तसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मुक्तसर में 32 कनाल 4 मरले जमीन जैसा कि विलेख
नं० 1110 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मुक्तसर में
लिखा है।

पी० एन० मैलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख: 7-4-1978

मोहर:

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भाटिंडा

भाटिंडा, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 6/एम० के० टी०/ 78-79—

अतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती चन्द्र कौर पत्नी विश्वन सिंह पुत्र ज्वाला सिंह वासी सानीपुरे तहसील सरहंद एटारा मुरुत्यारे आम श्री करतार सिंह पुत्र अर्जन सिंह वासी सहेला वाला तहसील फाजिलका (अन्तरक)

(2) श्री नथु राम डुगरा, (2) राजेश कुमार, ग्रोम प्रकाश, सुरेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, रवीन्द्र कुमार पुत्र मिथन लाल पुत्र किशोर चन्द्र वासी मुक्तसर जिला फरीदकोट (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुक्तसर म 30 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 1092 अगस्त 1977 में जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भाटिंडा

तारीख : 7-4-1978

मोहर :

प्र० प्र० श्राइ०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भाटिंडा

भाटिंडा, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश स० ए० पी० नं० 7/एम० के० टी०/78-79--
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-व के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के प्रधीन तारीख अगस्त 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
मुक्तसर में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपचारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवितर्णों, अन्तरिः—

(1) श्री दीलत राम पुत्र श्री कर्म घनद पुत्र रुद्रिया
मल वासी मुक्तसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती जसविंदर कौर एक्स (भूत पूर्व) पत्नी
श्री जगमोहन सिंह पुत्र श्राइ गजन सिंह वासी
मुक्तसर जिला फरीदकोट (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि,
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मुक्तसर म 62 कनाल 12 मरले जमीन जैसा कि
विलेख नं० 1143 अगस्त, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मुक्तसर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सम्म प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भाटिंडा

तारीख : 7-4-1978

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी० नं० 8/एच० एस० आर०/78-79
यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ या या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, दर्शात्:—

(1) श्री प्रदमन सिंह पुत्र विश्वन सिंह वासी मायो पर्ती तहसील फगवाड़ा ज़िला कपूरथला (अन्तरक)

(2) श्री गुरचरन सिंह पुत्र वरियाम सिंह और अचीत सिंह, गुरजीत सिंह, तरसेम सिंह पुत्रान गुरचरन सिंह वासी दादियाना खुर्द तहसील होशियारपुर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो अवित सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रेलवे रोड होशियारपुर में एक मकान और एक दुकान जैसा कि विलेख नं० 1972 अगस्त 1977 में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख: 7-4-1978

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा
भट्टिडा, विनांक 7 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०- 9/एम० के० टी०/78-79—
मतः, मुझे, पी० एन० मलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देसे के आसरक के दायित्व में छमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, प्रवार्ता:—

1. श्रीमती शाम कोर विधवा सुचा सिंह पुत्र सुंदर
सिंह वासी मुक्तसर जिला फरीदकोट (अन्तरक)
2. श्री दर्शन सिंह पुत्र सरदारा सिंह वासी गांव
मुक्तसर जिला फरीदकोट (अन्तरिती)
3. जैसा कि अनुसूची में लिखा है।
[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
[वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकोपः:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है,
वहीं प्रयृष्ट होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया
है।

अनुसूची

मुक्तसर गांव में 37 कनाल 3 मरले जमीन जैसा कि
विलेख नं० 1290 सितम्बर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मुक्तसर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख: 7-4-1978

मोहर:

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा
भट्टिडा, दिनांक 6 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०-१/बी० टी० आई०/78-79—
यतः, मुझे, पी० एन० मिलिक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के
प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अगस्त 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित में कभी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी क्षम या अन्य आस्तियों को
जिसमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए
या, डिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में,
जो, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन;
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः:—

1. श्री अमर नाथ पुत्र किशोर चन्द्र कमिशन एजेंट
मानसा (प्रतरक)
2. श्री देवी दयाल, दाता राम, फतह चन्द्र पुत्रान
भगत राम द्वारा साईं दास लेख राज साईकल
डीलर गुरद्वारा चौक, मानसा (अन्तरिती)
3. जैसा कि उपर नं 2 में है।
[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
[वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायंबाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रमण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभ्र-
पित हैं, वही भर्ये होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

गुरद्वारा चौक मानसा में स्थित दुकान का 1/2 हिस्सा
जैसा कि चिलेख नं० 2583 अगस्त 1977 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी मानसा में लिखा है।

पी० एन० मिलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडा

तारीख: 6-4-1978

मोहर:

प्रलेप शार्ह० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भट्टिडा

भट्टिडा, दिनांक 6 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ए० पी०-२/मोगा/78-79—यतः, मुझे, पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितंबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री राकेश कुमार पुत्र दौलत राम पुत्र लाल चन्द वासी मोगा श्रव डब्ल्यू० एच० 44 माया देवी नगर, नई दिल्ली-27 (अन्तरक)

(2) डा० वीर भान हिन्दु खानदान द्वारा डा० वीर भान गर्ग पुत्र सरदू मल पुत्र माम चन्द वासी मोगा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
[वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है]

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि औ भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के परिवर्तित हैं वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी० टी० रोड मोगा में 1 कनाल 14 मरले का एक प्लाट जैसा कि विलेख नं० 4607 सितंबर 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिडातारीख : 6-4-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भाटिङ्गा

भाटिङ्गा, दिनांक 6 अप्रैल 1978

निर्देश सं० ५० पी० ३/मोगा/७८-७९—यतः, मुझे, थी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अन्तर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आन्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि :—

1. श्री रमेश कुमार पुत्र श्री दौलत राम पुत्र लाल चन्द्र, वासी मोगा (अन्तरक)

2. डा० बीर भान हिन्दू खानदान द्वारा बीर भान पुत्र श्री सरदु मल पुत्र माम चन्द्र प्रताप रोड, मोगा (अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है।

[वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है]

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

[वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है]

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० ८० रोड मोगा पर 1 कनाल 14 मरले का एक प्लाट जैसा कि विलेख नं० 4571 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भाटिङ्गा

तारीख: 6-4-1978

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिंडा

भट्टिंडा, दिनांक 6 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 4/मोगा/78-79—यतः मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोगा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9-46GI/78

- (1) श्री प्रेम सागर पुत्र दीप्ति राम पुत्र श्री लाल चन्द मोगा (प्रत्तरक)
- (2) श्री वीर भान हिन्दु खानदान द्वारा डा० वीर भान पुत्र सरदू मल पुत्र माम चन्द प्रताप रोड मोगा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जी० टी० रोड मोगा में 1 कनाल¹ 14 मरले का प्लाट जैसा कि विसेख नं० 4572 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीन कर्ता अधिकारी मोगा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भट्टिंडा

तारीख : 6-4-1978

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 11 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 11/166/पी० [एच० एल०/78-79—यतः
मुझे पी० एन० मलिकप्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
द० से अधिक हैऔर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गोराया में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फिलौर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अगस्त 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्त है प्रतिशत से
भविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रायुक्ति लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है ।(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की आवत, उक्त प्रधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी 'किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ।यतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्पयति :—(1) श्री गुरबक्ष फाईनैस कंपनी (प्राईवेट) बंगा रोड,
फावाड़ा द्वारा साधु सिंह पुत्र नंद सिंह भेनेजिंग
डाइरेक्टर (अन्तरक)(2) श्री समितर सिंह, भूपिन्द्र सिंह, जगतार सिंह,
गुरमस सिंह, कुलवीर सिंह, मक्खन सिंह, गांव
शंकर, तहसील नकोदर (अन्तरिती)(3) जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जी० टी० रोड गोराया पर गोविन्द मार्किट नाम की
बिलिंग जैसा कि लिखा नं० 1988 अगस्त 1977
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिलौर में लिखा है ।पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भटिडा

तारीख : 11-4-1978

मोहर :

प्रृष्ठप भाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 मार्च 1978

निर्देश सं० डी० 29/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह
विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जो पृष्ठ पर सूची में लिखी है तथा जो
गढ़वाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लान्स डाऊन, गढ़वाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में ही किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की
उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गोदावरी देवी रमेश चन्द्र सुधा रानी
(अन्तरक)

(2) श्रीमती दण्डनी देवी (अन्तरिती)

(3) विक्रेता (37 जी० के० अनुसार) (वह व्यक्ति,
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) (37 जी० के० अनुसार) (वह व्यक्ति,
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी

जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में कियं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मोजा पनियाली तल्ली हल्का सुखरो खेत नं० 7 क पर
बना हुआ मकान एक कमरा दुमंजीला साढ़े पन्द्रह फिट
लम्बा 12 फिट चौड़ा आगे बरामदा। एक मकान दुमंजीला
सिर्फ़ एक कमरा 21 फिट लम्बा 15 फिट चौड़ा। दो गोदाम
एक मंजिला जो 21 फिट लम्बे 15 फिट चौड़ा है। एक
गोदाम 15 फिट लम्बा तथा 12 फिट चौड़ा दुमंजिला।
एक मकान दुमंजला 25 फिट लम्बा 20 फिट चौड़ा आगे
बरामदा जिसके पूर्ब और उत्तर में रास्ता पश्चिम में बेद
प्रकाश की जमीन दक्षिण में सीमा की भूमि है। तथा वे
सब-विवरण जो सेलडीड दिनांक 30-7-1977 और फार्म
37 जी० दिनांक 1-8-1977 में लिखी हैं जो कि सब-रजि-
स्ट्रार लान्स डाऊन गढ़वाल के कार्यालय में दर्ज हैं।

अमर सिंह विसेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 4-3-1978

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 मार्च 1978

निर्वेश सं० डी०-३०/अर्जन—अतः, मुझे, अमर सिंह
विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० खेत नं० 7 के मध्य 0.21 एकड़ भूमि
है तथा जो तहसील कोटद्वार, जिला गढ़वाल में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लान्स डाऊन,
गढ़वाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 1-8-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का रण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
बनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए?

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती गोदावरी देवी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दण्डनी देवी

(अन्तरिती)

(3) श्रीमती गोदावरी देवी

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीर्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन में कोई भी श्राक्षेप।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमय
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खेत नं० 7 के मध्य 0.21 एकड़ भूमि जो कि 60
फिट चौड़ा उत्तर दक्षिण 86 फिट लम्बा जीनिब पूरब व 101
फिट जानिब पश्चिम गानी 844 वर्ग मीटर मौजा पनियाली
तल्ली हलका सुबरो तहसील कोटद्वार जिला गढ़वाल तथा
वे सब-विवरण जो सेल डीड दिनांक 30-7-1977 और
फार्म 37 जी० दिनांक 1-8-1977 में लिखा है जो कि सब-
रजिस्ट्रार लान्स डाऊन, गढ़वाल के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह विसेन
संभम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 4-3-1978

मोहरः

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 मार्च 1978

निर्देश सं० 65-पी०/एक्य०—अतः मुझे अमर सिंह
विसेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० बी० 31/34 ए० है तथा जो कम्च्छा,
वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 5-8-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त प्रतिफल लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, को भारा 269-ए के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गोपाल लाल बरमन (अन्तरक)
- (2) श्री प्रताप नगायन शिंह (अन्तरिती)
- (3) श्री गोपाल लाल बरमन [जैसा कि फार्म 37 म है]
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) [जैसा कि फार्म 37 म है]
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नं० बी० 21/34- ए० कम्च्छा,
वाराणसी तथा वह सब विवरण जो सेलडीड तथा फार्म
37 जी० संख्या 4228 दिनांक 5-8-1977 में वर्णित हैं
और जो सब-रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दर्ज है।अमर सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 8-3-1978

मोहर:

प्रस्तुप्राई० ठी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर शायकत (निरीक्षण)

श्रजन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 मार्च 1978

निर्देश सं० 160 एस०/श्रजन—अतः मुझे अमर सिंह
बिसेन

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 10 पश्चा लाल रोड इलाहाबाद है तथा जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार श्रायिस इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-8-1977 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अस्ति:—

(1) श्रीमती प्रतिभा मुखर्जी पत्नी स्व० अनूप चन्द्र मुखर्जी (अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ति देवी पत्नी डा० आर० के० पांडे (अन्तरिती)

(3) श्री गिरीश चन्द्र श्री वास्तव एवं सीता राम सरन निंगम (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां प्रारूप करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मय जमीन नं० 10 पश्चा लाल रोड इलाहाबाद, कीहोल्ड कुल क्षेत्रफल 1300 वर्ग मीटर तथा वह सब विवरण जो कि सेलडीड तथा फार्म 37 जी० नं० 2564 दिनांक 2-8-1977 में वर्णित है और जो कि सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 2-8-1977 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर शायकत (निरीक्षण)
श्रजन रेज, लखनऊ

तारीख : 14-3-1978

मोहर :

प्राई ० दी ० एन ० एस ०-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निर्देश सं 399/एयकुर्इजिसन० रेंज-III/77-78/कल०---
अतः मुझे, किशोर सेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-प
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं 1/1 है तथा जो बृन्दावण मल्लिक लेन,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे सपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 19-8-1977को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह ग्रन्थि प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) प्रत्यक्ष से ही फिसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षके
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों,
को, जिन्हें मार्नीय प्राप्त-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
प्रत्यक्ष-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रत्यक्ष
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—(1) श्री बंकिम चन्द्र चटाजि 1/1, बृन्दावण मल्लिक
लेन, कलकत्ता (अन्तरिती)(2) श्री दीनेश चन्द्र चट्टोपाध्याय, 1/1, बृन्दावण
मल्लिक लेन, कलकत्ता (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।एव्वलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त'
अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 1977 साल का
3850 डीड नं. अनुसार रजिस्ट्रीकरण 1/1, बृन्दावण
मल्लिक सेन, कलकत्ता में अवस्थित 5 कट्टा 2 छटाक,
जमीन सह तीन तल्ला मकान का अधिभक्त आधा हिस्सा।किशोर सेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कलकत्ता 16

तारीख: 20-12-1977

मोहर:

प्रस्तुत ग्राही ० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० एस० एल०-441/टी० आर० 88/सी०-76।
कल०-1-1/77-78—अतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियाण्
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से प्रधिक है।

और जिसकी सं० 27 है तथा जो बेनियापुकुर रोड,
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
5, गवर्नरमेन्ट प्लेस(नार्थ) कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-
1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसो किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में यै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महेश्वर सामुल हुदा 26/सी० नुर आलि लेन,
कलकत्ता । (अन्तरक)

(2) श्री सादात करिम 10, तात्त्विकागान रोड,
कलकत्ता । (अन्तरिती)

(3) 1. डा० मासुद आलम, 27 बेनियापुकुर, कलकत्ता,
2. महेश्वर सामुल हुदा, 27, बेनियापुकुर रोड,
कलकत्ता, 3. एस० एस० हुदा, 27, बेनियापुकुर रोड,
कलकत्ता, 4. मेसर्स श्रीरंगेन्टल लेद बक्स,
27, बेनियापुकुर रोड, कलकत्ता, 5. नेशनल
इन्स्ट्रुमेन्ट एन्ड ट्रेडिंग को० 27, बेनियापुकुर रोड,
कलकत्ता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उम्म प्रध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

27, बेनियापुकुर रोड, कलकत्ता अवस्थित 3 कट्टा 8
छठाक जमीन पर चार तल्ला मकान जो 1977 साल का
I-3740 डीड नं० अनुसार रजिस्ट्री हुआ।

एल० के० बालसुब्रमनियण्,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कलकत्ता 16

तारीख : 29-12-1977

मोहर :

प्रसूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 जनवरी, 1978

निर्देश सं० 401/एक्युजिशन रेन्ज III/77-78/कल०/—
अतः मुझे किशोर सेनआयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 165 है तथा जो चित्तरन्जन एवेन्यु
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 16-३-1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हृद्दि किसी आय की वाबद उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब(1) को उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्रीमती प्रभाईकी बागारीया 7, अशोका रोड,
कलकत्ता (अन्तरक)(2) श्री हुर्गा प्रसाद नाथानी, 17, सरकार लेन,
कलकत्ता (अन्तरिक्षीय)(3) (1) नाथानी उचोग, (2) राम किशोर एन्ड
सन्स, (3) कृष्णकान्त गुप्त, (4) सीउरलन
आगरवाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।उपर्योक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

165, चित्तरन्जन एवेन्यु, कलकत्ता में अवस्थित
जमीन पर मकान जो 1977 साल में डीड नं० 3788
अनुसार रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में रजिस्ट्रीकृत हुआ।किशोर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, कलकत्ता

तारीख: 12-1-1978

मोहर:

प्रस्तुप भाई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 फरवरी 1978

निर्देश सं० 442/टि० आर० 79/सी० 85/कल०-I/
77-78—ग्रतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग्र के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1ए० प्रिमसेज नं० 3 है तथा
जो लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 में स्थित है (और इससे उपा-
वन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरमेन्ट गेस नार्थ, कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 6-8-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरिक्षों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
त्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपशारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स साधना प्राप्टीस प्रा० लि०, 14,
नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरक)

(2) मैसर्स भारतीय इलेक्ट्रिक स्टील को० लि०
8, अनिल मित्रा स्ट्रीट, कलकत्ता-19
(अन्तरिक्ष)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्संबंधी अवित्यों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों
में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी मन्य अवित्य द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, अहीं प्रथम होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

ग्रन्तुसंघी

1977 साल का डीड नं० I-3623 अनुसार रजिस्ट्रीकर्ता
में 6-8-1977 तारीख में रजिस्ट्रीकृत जो 3 नं० लाउडन
स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित और जिसका नोकर का घर,
स्टोर रूम और कार पार्क साथ जमिन का 6.75 प्रतिशत
हिस्सा।

एल० के० बालसुब्रमनियम,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख: 16-2-1978

मोहर:

प्रकप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 फरवरी 1978

निर्देश सं० 443/टी० आर० 83/सी० 81/कल०-1/
77-78—ग्रतः मुझे एल० के० बालसुब्रमनियम्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाइयात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० प्रिमिसेज नं० 3 फ्लाट नं० 1बी० है तथा जो लाउडन स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय 5, गवर्नरमेन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-8-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल के ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और उक्तरक (उक्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाजार, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्षितयों, अर्जातः—

(1) भेसर्स सधना प्रापर्वीज प्रा० लि० 14, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरक)

(2) श्रीमती साबित्री देवी चौधुरी 3, लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता-16 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1977 साल का भीड नं० I-3623 अनुसार रजिस्ट्रीकर्ता में जो 3 नं० लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित और जिसका निकट का घर, स्टोर रूम और कार पार्किंग का साथ जमीन का 6.75 प्रतिशत हिस्सा।

एल० के० बालसुब्रमनियम्
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कलकत्तातारीख : 16-2-1978
मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————
 ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
 269ष(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, कलकत्ता
 कलकत्ता, दिनांक 16 फरवरी, 1978

निर्देश सं० 444/टि० आर० 87/सी० 77/कल०-1/
 77-78—अतः मुझे एल० के० बालसुभ्रमनियम्
 ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-वा
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
 में अधिक है।
 और जिसकी सं० 179 ए०, 179/1ए०, 179/2ए०, 179/
 3ए०, है तथा जो धर्मतला स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (और
 इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नरेन्ट प्लेस नार्थ
 कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
 16) के अधीन तारीख 12-8-1977
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृष्यमान प्रतिफल के, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ट में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
 और/या
 (ख) ऐसी किसी आय या किसी ज्ञन या भव्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या ज्ञन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थात् :—

(1) श्री दीनेन्द्र नाथ मलिक एण्ड राजेन्द्र नाथ मलिक आफ 25 ए० देवेन्द्र मलिक स्ट्रीट, कलकत्ता-12 (अन्तरक)
 (2) (1) मेसर्स परेश नाथ पिकचार्स, 179/1ए० धर्मतला स्ट्रीट, कलकत्ता-13 (2) श्री एल० के० श्राद्धा (एलार्स लालजी खाटाउ श्राद्धा) 7

खाईस्लेन, कलकत्ता-17, (3) श्री नरेश कुमार आगरवाला 122/1/वाई, मनहर पुकुर रोड, कलकत्ता-26 (अन्तरिती)
 (3) (1) जिमि सापुट आरदेसर 179/1ए०, धर्मतला स्ट्रीट, (ग्राउन्ड फ्लोर), (2) नारायण दास दामानि 179/1ए०, धर्मतला स्ट्रीट (दो तल्ला)
 (3) एस० के० भट 179/1ए० धर्मतला स्ट्रीट, (दो तल्ला), (4) डीमिनियण् ट्रेलर्स 179/2ए० धर्मतला स्ट्रीट, (तीन तल्ला), (5) मेसर्स ताटा बर्मन 179/3ए० धर्मतला स्ट्रीट, (चार तल्ला)
 (6) कमला फिलम्स 179/3ए०, धर्मतला स्ट्रीट, (चार तल्ला), (7) मेसर्स सुर श्रो० सुर 179/3ए० धर्मतला स्ट्रीट, (चार तल्ला)
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 (4) (1) मंगला मलिक (2) साबिती मलिक, 25 ए० देवेन्द्र मलिक स्ट्रीट, कलकत्ता-12 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताश्री जानता है वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताश्री के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

खट्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

179 ए०, 179/1ए०, 179/2ए० और 179/3ए० धर्मशाला स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित रजिस्ट्रार आफ एयसुरेन्स में 1977 साल का डीड नं० I-3731 अनुसार 12-8-1977 तारीख में रजिस्ट्रीकृत जो लगभग 12 कट्टा जमीन पर चार तल्ला मकान है।

एल० के० बालसुभ्रमनियम्

सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण
 अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 16-2-1978

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग
नोटिस
भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांचिकीय सेवा परीक्षा,
1978

नई दिल्ली, दिनांक 29 अप्रैल 1978

सं० एफ० 12/1/77-ई० I (बी) —भारत के राजपत्र दिनांक 29 अप्रैल, 1978—में गृह मन्त्रालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के ग्रेड IV में भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, वस्वई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोचिन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, जम्मू लखनऊ, मद्रास, नागपुर पणजी (गोवा) पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा तिब्बतमें 5 सितम्बर 1978 से एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी:—

आयोग, यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान या स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिये अनुबंध का पैरा-11)

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन दो सेवाओं के लिए भर्ती की जानी है उनके नाम तथा इन दोनों सेवाओं के ग्रेड IV में रिक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है:—

(i) भारतीय अर्थ सेवा	10
(ii) भारतीय सांचिकीय सेवा	20

उपर्युक्त संस्थाओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं में से किसी एक अधिक दोनों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। एक बार आवेदन-पत्र भेजे जाने के बाद सामान्यतः किसी प्रकार के परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 6 में उल्लिखित गुह्य भी उसे केवल एक ही बार देना होगा। उसे प्रत्येक सेवा के लिए अलग-अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें:—उसे केवल उसी सेवा/उन्हीं सेवाओं के लिए उम्मीदवार माना जाएगा जिसके/जिनके लिए वह आवेदन करेगा। दोनों सेवाओं के लिए आवेदन करने वाले उम्मीद-

वार को अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं के संबंध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयता पर भली भांति विचार किया जा सके।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रूपये देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली (110011) को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवान आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर पोस्टल आर्डर के स्थान पर चेक या केंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रूपये की यह राशि किसी भी हालत में वापिस नहीं की जाएगी।

नोट—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांचिकीय सेवा परीक्षा, 1978 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांचिकीय सेवा परीक्षा, 1978 के के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 12 जून, 1978 (26 जून, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्ष्मीद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 12 जून, 1978) तक या उससे पूर्व अवश्यक पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्मीद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 12 जून, 1978 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में या लक्ष्मीद्वीप में रह रहा था।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु 48.00 (अनुसूचित जातियों और प्रनुसूचित जनन जातियों के मामले में रु 12.00) का एकल भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय रखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट

बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ हंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह “051”—लोकसेवा आयोग—परीक्षा शुल्क” के लेखाणीर्थ में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पुरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो नीचे के पैराग्राफ 7 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

7. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अबूतूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु जिसे आयोग हारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो उसे ₹ 30.00 (अनुसूचित जातियों और अनुभूचित जन जातियों के मामले में ₹ 8.00) की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीदे नोट I की शर्तों के अनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहते वाले उम्मीदवार का आवेदन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर दिया जाता है कि वह अर्हक परीक्षा में अमरकल रहा है अथवा वह उपर्युक्त नोट के उपर्यन्ती की अपेक्षाओं का अन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त उपर्यन्ति व्यवस्था की छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न हो विचार किया जाएगा और नहीं शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में अवैकार नहीं किया जाएगा।

प्रारंभ प्राप्ति अवश्य भेजने चाहिए।

अनुबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपकरणों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में, स्थायी या अस्थायी हैंसियत से काम कर रहे हों या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों जिसमें आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं हैं, उनको इस परीक्षा में अंतिम रूप में प्रवेश पाने के पहले अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की अनुमति प्राप्त करनी चाहिए। उनको चाहिए कि वह अपने आवेदन-पत्र को, उसके अंत में संलग्न प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां निकाल कर, आयोग में सीधे भेज दें और प्रमाण-पत्र की उन प्रतियों को तत्काल अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को इस अनुरोध के साथ प्रस्तुत करें कि उक्त प्रमाण-पत्र की एक प्रति विधिवत भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली को जल्दी से जल्दी और किसी भी हालत में प्रमाण-पत्र के फार्म में निर्दिष्ट तारीख से पहले भेज दी जाए।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट अथवा शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नोटिस का पैरा 6 और 7 और नीचे पैरा 6)।

(ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ।

(iv) उम्मीदवार के हात ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. ० \times 7 सें. मी. ०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां ।

(v) जहां लागू हों वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।

() जहां लागू हों वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5) ।

नोट:—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित प्राधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः दिसम्बर, 1978 में घोषित किए जाएंगे। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के लिए साक्षात्कार हेतु अर्हता प्राप्त कर लेते हैं। उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। उन्हें अपने मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएंगी और उन का आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i), से (iv) तक में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे तक दिए गए हैं और मद (v), (vi) में उल्लिखित प्रलेखों के विवरण पैरा 4, और 5 में दिए गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए गए भारतीय पोस्टल आर्डर:—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर 'सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुपित या कटे-फटे आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

मध्ये पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोर्टस्टार्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को अवश्य ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही भचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ब) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट:—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से गिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया पार्सियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय होना चाहिए, तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हावत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरुपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र—आयोग सामान्यतः जन्म की तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय के यहां से मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के समूचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसके समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

ग्रन्तदेशों के इन भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त बैंकिपक प्रमाण-पत्र समिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अधिरिक्त उग संस्था के हैंडस्टार्टर/प्रिसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुआ है। इस प्रमाण-पत्र में उग संस्था का दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उगकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के माथ इन ग्रन्तदेशों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन/प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न

है और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

नोट :—1 जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे केवल आयु से संबद्ध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट :—2 उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी बाद की परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्यक भेजनी चाहिए जिससे इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विष्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के समर्थन में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस साक्ष्य पर उसकी गुणवता के आधार पर विचार करेगा। किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपने शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में प्रस्तुत डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण करने से संबद्ध विष्वविद्यालय के प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं दिए गए हों, तो इसे विष्वविद्यालय प्रमाण-पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिसिपल/विभागाध्यक्ष से लिए गए इस आयोग के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए कि उसने नियम 6 में निर्धारित किसी एक विषय या एक से अधिक विषयों में अर्हक परीक्षा उत्तीर्ण की है।

नोट :—यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र हो जाता है पर अभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो वह भी इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन कर सकता है। जो उम्मीदवार इस प्रकार की अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो तो वह भी आवेदन कर सकता है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्य शर्तें पूरी करते हों तो उन्हें परीक्षा में बैठने दिया जाएगा परन्तु परीक्षा में बैठने की यह अनुमति अनंतिम मात्री जाएगी और यदि वे अर्हक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर

हालत में 1 दिसंबर, 1978 तक प्रस्तुत नहीं करते तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

(iv) फोटो की दो प्रतियां : उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लंबाई 5 सें. मी० × 7 सें. मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर उम्मीदवार को सामने की ओर स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवार को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (ii), 3 (iii), और 3 (iv) में उल्लिखित प्रलेखों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विश्वद्वय कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। जो प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे [उपर पैरा 3 (iii) के नोट में उल्लिखित स्थिति को छोड़कर] हर हालत में आवेदन पत्र स्वीकार करने के लिए निर्धारित अन्तिम तारीख से एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुंच जाने चाहिए यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जन जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आम तौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप-मण्डल अधिकारी या नीचे उल्लिखित किसी अन्य अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हों तो वह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता है।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

प्रमाचत किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुमारी*—

सुपुत्र/सुपुत्री श्री*—

जो गांव/कस्बा*—

जिला/मण्डल* —————— राज्य/

संघ* राज्य क्षेत्र—
के/की* निवासी हैं—
जाति/जन जाति*/के/की* है जिसे
निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति जन जाति के रूप में
मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950* ।
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950* ।
संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,
1951* ।
संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,
1951* ।

[अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आ-
णोधन) आदेश, 1956, बस्टर्ड, पुनर्गठन अधिनियम, 1960,
पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम,
1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971
और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश
संगोष्ठन अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित]

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश,
1956* ।

संविधान (श्रीडमान और निकोवार द्वीप समूह) अनुसूचित जन
जातियां आदेश, 1959* और अनुसूचित जातियां और अनुसूचित
जन जातियां आदेश (संगोधन) अधिनियम, 1976* द्वारा यथा
संशोधित ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां
आदेश, 1962* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां,
आदेश, 1962* ।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश,
1967* ।

संविधान (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जातियां आदेश,
1968* ।

संविधान, (गोवा, दमन और दियू) अनुसूचित जन जातियां,
आदेश 1968* ।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970* ।

2. श्री/श्रीमति/कुमारी*—
और/या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा*—

जिला/मण्डल* — राज्य/

संघ* राज्य क्षेत्र—
में रहते/
रहती* हैं ।

हस्ताधर —
**पदनाम —

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान —
तारीख —
राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

*जो शब्द लागू न हों, उन्हें कृपया काट दें ।

टिप्पणी :—यहां प्रयुक्त “आम तौर से रहते/रहती हैं” शब्दों का
अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेटेशन श्राफ़ दिपीपुल एक्ट,
1950” की धारा 20 में है ।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधि-
कारी ।

- (i) जिला मेजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मेजिस्ट्रेट क्लेक्टर/
डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/
डिप्टी क्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्टपंडरी मेजिस्ट्रेटए
सिटी मेजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मेजिस्ट्रेट/ताल्लुक
मेजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मेजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेट
कमिश्नर । † (प्रथम श्रेणी के स्टार्टपंडरी मेजिस्ट्रेट
से कम ओहदे का नहीं) ।
- (ii) चीफ़ प्रेसिडेन्सी मेजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ़ प्रेसिडेन्सी
मेजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मेजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेन्यू अफसर जिसका ओहदा तहसीलदार से
कम न हो ।
- (iv) उम्मीदवार और/या उसका परिवार आम तौर से रहता
हो ।
- (v) इंडिपिनेंटर/एंडिपिनेंटर का सचिव/डेवलपमेंट
अफसर, (लक्ष्मीपुर) ।

5 (i) नियम 5 (ख) (ii) या 5 ख (iii) के
अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/
या उक्त नोटिस के पैराग्राफ़ 7 के अधीन शुल्क से छूट का
दावा करने वाले भतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश)
से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी
एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रामाणित/प्रमाणित
प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह
भतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ
वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और

25 मार्च 1971 के बीच की श्रवणि के दौरान प्रब्रजन कर भारत गया है :—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित राहत शिविरों के कैम्प कमानडेंट ।

(2) उस क्षेत्र का ज़िला मैजिस्ट्रेट, जहां वह इस समय निवास कर रहा है ।

(3) अपने-अपने ज़िलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्त ज़िला मैजिस्ट्रेट ।

(4) स्वयं प्रभारित सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर ।

(5) उपशरणार्थी-पुनर्वास-आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता ।

(ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) () के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले और या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है ।

(iii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित भारतमलक व्यक्ति को फिलहाल जिस क्षेत्र का वह नियासी है उसके ज़िला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है ।

(iv) नियम 5 (ख) (vii) अथवा 5 (ख) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले और/या उक्त नोटिस के पैराग्राफ 7 के अधीन शुल्क से छूट का दावा करने वाले वर्षा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह नियासी है उसके ज़िला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रणालित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्षा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1973 को या उसके बाद भारत आया है ।

(v) नियम 5 (ख) (ix) अथवा 5 (ख) (x) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेना में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, भारतीय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/

स्थापन, रक्षा मंत्रालय, से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर इस आशय का एक प्रमाण-पत्र लेकर उसकी एक अभिप्रणालित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट..... के रैक नं..... श्री..... रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष/अशांतिग्रस्त* क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम-स्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर.....

पदनाम.....

दिनांक.....

*जो शब्द लागू न हो उसे कृपया काट दें ।

(vi) नियम 5(ख) (xi) अथवा 5(ख) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट..... के रैक नं..... सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए ।

हस्ताक्षर.....

पदनाम.....

तारीख.....

(vii) नियम 5 (ख) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य दंजानियां से प्रब्रजन कर आए हुए या जाम्बिया, मलावी, जैरे तथा इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के ज़िला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/

प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रदर्शन कर आया है।

(viii) नियम 5(ग) के अंतर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले उम्मीदवार को (i) निरोधक प्राधिकारी से उनकी मुहर लगे प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें यह लिखा हो कि उक्त उम्मीदवार अंतरिक सुरक्षा अनुरक्षण अधिनियम के अंतर्गत निरुद्ध हुआ था या (ii) जिस उपर्युक्त मजिस्ट्रेट के थेनेशिकार में वह इलाका आता हो उसके प्रमाणपत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिए जिसमें लिखा हो कि उम्मीदवार भारत रक्षा तथा आंतरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अंतर्गत बने नियमों के अंतर्गत गिरफ्तार या कैद हुआ था और जिसमें वे तारीख विनिर्दिष्ट हों जिनके बीच वह गिरफ्तार या कैद रहा था तथा जिसमें प्रमाणित हो कि निरोध या गिरफ्तारी या कैद, जैसी भी स्थिति हो, उम्मीदवार के राजनीतिक संबंधों या कार्यकलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से उसके संबंध रखने के अनुसरण में थी।

6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5(i), (ii) और (iv) में से किसी भी वर्ग से संबद्ध है तथा नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसको किसी जिला प्राधिकारी या सरकार के राजपत्रित प्राधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखलाने के लिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस आशय का एक प्रमाणपत्र लेकर उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी होगी।

7. जिस व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाणपत्र प्राप्तशक्ति हो उसे अपने लिए अभिष्ट पात्रता प्रमाणपत्र जारी करने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय (कार्यालय तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि आवेदनपत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने हाथ प्रत्युत लिए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/मूठे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इससे अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाएगा।

9. आवेदनपत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदनपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-

पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का यूक्ति न होगा कि आवेदन प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि उक्त परीक्षा से संबद्ध आवेदनपत्रों की प्राप्ति की आविर्भावी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने प्रावेदनपत्र की पार्थी की सूचना न मिले तो उसे पार्थी सूचना प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा पिछली पांच परीक्षाओं के प्रश्नपत्रों का व्यौरा सम्मिलित होता है, उनकी विक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइस्न, दिल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, “सी” ब्लाक बाबा खड़गसिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) प्रकाशन शाखा के बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और कार्यालय संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।

13. आवेदनपत्रों से संबद्ध पत्रव्यवहार :— आवेदनपत्रों से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहां रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए।

(i) परीक्षा का नाम

(ii) परीक्षा का महीना और वर्ष

(iii) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

(iv) उम्मीदवार का नाम (पुरा तथा अपेक्षित अधिकारों में)

(v) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता

ध्यान दें—जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा,
संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

14. पते में परिवर्तन :— उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित

पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 30th March 1978

No. F.6/78-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to promote and appoint on *ad hoc* basis the following members of this Registry to the post mentioned against each with effect from the forenoon of 8 March, 1978, until further orders:—

Sl. No.	Name & Designation	Post to which appointed
1.	Shri K.C. Sethi, Stenographer	Offg. P.S. to Hon'ble Judge <i>vice</i> Shri K. Chandramouli.
2.	Shri P.S. Sharma, Stenographer	Offg. P.S. to Hon'ble Judge <i>vice</i> Shri B.M. Batra on deputation.
3.	Shri M.L. Aneja, Stenographer	Offg. Court Master <i>vice</i> Shri A. Appar Rao
4.	Shri S.D. Sharda, Assistant	Offg. Court Master <i>vice</i> Shri Surender Lal.

MAHESH PRASAD,
Deputy Registrar (Admn-J)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st April 1978

No. A.11013/2/74-Admn.II—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 28th January, 1978, the Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following permanent Section Officers/ Assistants of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (Special) in the Commission's office for a further period of two months w.e.f. 1-4-1978, or until further orders, whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Post held in C.S.S. cadre
1.	Shri B.S. Jagopota	Section Officer
2.	Shri R.N. Khurana	Section Officer
3.	Shri S. Srinivasan	Section Officer
4.	Shri J. P. Goel	Section Officer
5.	Shri S.K. Arora	Assistant
6.	Shri G.V. Mathur	Assistant

2. The appointment of the aforesaid officers as Section Officers (Special) will be on deputation and their pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance O.M. No. F.10(24)-E.III/60 dated 4-5-1961, as amended from time to time.

P.N. MUKHERJEE,
Under Secy.
for Secy.
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 13th March 1978

No. A.32011/1/77-Admn.I.—The President has been pleased to allow Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 28-2-1978 on purely temporary and *ad hoc* basis *vide* orders of even number dated the 2nd December, 1977, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 3 months with effect from 1-3-1978 to 31-5-1978 or until further orders, whichever is earlier.

The 15th March, 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown

against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
S/Shri		
1.	V.S. Riat	Until further orders w.e.f. 9-3-78
2.	R.R. Ahir	1-3-78 to 29-4-78
3.	L.B. Sinate	1-3-78 to 15-4-78
4.	Pritam Lal	1-3-78 to 15-4-78

The 29th March 1978

No. A. 32013/3/76-Admn.I.—In continuation of this office notification of even number dated 7-2-78 the President is pleased to appoint Shri A. N. Kolhatkar, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission for a further period from 11-3-78 to 30-6-78, or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 13th March 1978

No. A. 32014/1/78-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mehra, permanent Personal Assistant (Grade 'C' of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission and at present officiating in the Selection Grade for Grade C Stenographer to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of 61 days w.e.f. 1-3-78 to 30-4-78 or until further orders, whichever is earlier.

Shri Mehra should note that his appointment as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) is purely temporary and *ad hoc* basis and will not confer any title for absorption in Grade B of CSSS or for seniority in that Grade.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary.

Incharge of Administration
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th April 1978

No. H-41/66-Ad.V.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri Harbans Singh, Dy. Inspector General of Police, C.B.I., relinquished charge of the Office of the D.I.G., C.B.I./S.P.E. New Delhi with effect from the afternoon of 28-2-78.

The 7th April 1978

No. A-19020/1/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri G. P. Pilania, I.P.S. (1955-Rajasthan) as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 3-4-78 and until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 6th April 1978

No. O.II-1045/76-Est.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF Force on an *ad hoc* basis for a period of 3 months only with effect from the forenoon of 6-3-78 or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 3rd April 1978

No. E-38013(2)/2/78-Pers.—On transfer Lt Col Sindri, Lt. Col Mukut Singh, relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit FCI Sindri w.e.f. the afternoon of 14th February 1978 and assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit Bokaro Steel Ltd., Bokaro Steel City, w.e.f. the forenoon of 22nd February 1978.

The 4th April 1398

No. E-38013(1)/1/78-Pers.—On transfer from Bhilai Shri Raja Sreedharan IPS (MP-1957) relinquished the charge of the post of Dy. IG CISF Unit Bhilai Ispat Ltd., Bhilai with effect from the afternoon of 17th March 1978 and assumed the charge of the post of Dy. IG/CISF, Southern Zone, Madras with effect from the forenoon of 20th March 1978.

No. E-16013(2)/4/74-Pers.—On repatriation to his parent cadre Shri Lachhman Dass IPS (Har-1962) relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit HEC Ranchi w.e.f. the forenoon of 13th March 1978.

On transfer on deputation Shri V. K. Bhalla IPS (MP-1962) assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit HEC Ranchi w.e.f. the forenoon of 13th March 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Farrakka Barrage Shri A. B. Majumdar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP Durgapur with effect from the forenoon of 2nd March 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri R. Seshadri relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, Southern Zone HQs, CISF, Madras with effect from the afternoon of 16th March 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri C. S. Varadaraja relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Group HQs Madras with effect from the afternoon of 16-3-78 and Shri R. Seshadri Asstt. Commandant assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Rourkela, Shri S. K. Mukherjee relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela with effect from the afternoon of 21st February, 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Kudremukh Shri N. J. Sambrekar relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit LIOCL, Kudremukh with effect from the forenoon of 22nd March 1978.

On transfer from Madras Shri K. A. Belliappa assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit KIOCL Kudremukh with effect from the forenoon of 22nd March 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Visakhapatnam Shri O. K. Sharma relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit V.P.T. Visakhapatnam with effect from the afternoon of 4th March 1978 and assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit HCP Khetri Nagar with effect from the forenoon of 14th March 1978.

R. C. GOPAL
Inspector-General/CISF

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR
GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 11th April 1978

No. 440CA.1/46-74.—On his attaining the age of super-annuation Shri Anil Kumar Goswami, Audit Officer (Commercial) serving in the office of the Member Audit Board and

Ex-officio Director of Commercial Audit (Coal), Calcutta retired from Government service with effect from 31st January 1978 (A.N.).

S. D. BHATTACHARYA
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
UTTAR PRADESH-I,

Allahabad, the 31st March 1978

No. Admn.I/11-144(XIII)III/413.—The Accountant General U.P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this office until further orders with effect from the dates noted against each.

1. Madan Mohan Srivastava, 23-3-78 F.N.

2. J. W. Lawrence, 23-3-78 F.N.

U. RAMACHANDRA RAO
Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I,
WEST BENGAL

Calcutta-700001, the 5th April 1978

No. Admn. I/947-II/4728—The Accountant General I, West Bengal, has been pleased to appoint the following officiating Accounts Officers of this Office/Office of the A.G. Central in substantive capacity in the Accounts Officers' grade with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name	Date of confirmation
S/Shri		
1.	Narendra Nath Dutta	1-12-74
2.	Baidyanath Roy Chaudhuri	1-2-77
3.	Sudhir Kumar Basu	1-2-77
4.	Prithwis Chandra Dutta Choudhury	1-2-77
5.	Nirmal Kanti Chatterjee	1-3-77
6.	Pankaj Kumar Das Gupta	1-4-77
7.	Sudhas Chandra Moitra	1-5-77

P. K. BANDYOPADHYAY,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, NORTHERN
RAILWAY

New Delhi-1, the 6th April 1978

No. Admn/17-14/77.—S/Shri Dev Raj, Pushkar Nath Vali and Satish Chander Bahree Section Officers (Audit) and permanent members of Subordinate Railway Audit Services are appointed to officiate as Audit Officers in the scale of Rs. 840—40—1000—FB—40—1200 in this office with effect from 16-1-78, 16-2-78 and 24-2-78 A.N., respectively until further orders.

R. JOSHI
Chief Auditor

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 022, the 5th April 1978

No. 18342/AN-II.—The President is pleased to appoint Shri Dipankar Sarkar, an officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Senior Administrative Grade—Level II (Rs. 2250—125/2—2500) of that Service with effect from 20th March, 1978 (forenoon), until further orders.

The 6th April 1978

No. 18352/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri R. L. Narasimhan, Assistant Controller of Defence Accounts, will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department with effect from 30-9-1978 (AN).

V. S. BHIR, Addl. Controller
General of Defence Accounts

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 22nd March 1978

No. 12(27)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. B. Srivastava, Asstt. Director (IMT) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi as Deputy Director (IMT) on *ad-hoc* basis in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 13-3-1978.

2. Consequent upon his appointment Shri S. B. Srivastava relinquished charge of the post of Assistant Director (IMT) w.e.f. the forenoon of 13-3-1978 in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries and assumed charge of the post of Deputy Director (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, w.e.f. the forenoon of 13-3-1978.

No. A-19018(340)/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri O. N. Chetal, a grade III Officer of IES as Deputy Director (Economic Investigation) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 15-2-1978 and until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri O. N. Chetal assumed charge of the post of Deputy Director (Economic Investigation) at Small Industries Service Institute, Ludhiana w.e.f. the forenoon of 15-2-1978.

The 28th March 1978

No. 12/133/61-Admn.(G).—On revision from his deputation with the Govt. of Afghanistan, Shri J. K. De has assumed charge of the post of Director (Gr. II) (General Administration Division) in Branch Small Industries Service Institute, Solan w.e.f. the forenoon of 9-3-1978.

The 29th March 1978

No. A-19018(334)/77-Admn.(G).—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. K. Wadhwani as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Development Organisation w.e.f. the forenoon of 6th March, 1978 until further orders.

2. Consequent upon his appointment Shri S. K. Wadhwani has assumed charge as Assistant Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Small Industries Service Institute, Indore w.e.f. the forenoon of 6th March, 1978.

V. VENKATRAYULU,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 7th March 1978

No. A-1/1(766).—The President is pleased to appoint Shri V. Eswarayya, an officer of Grade III of the Indian Supply Service, Group 'A' in the office of the Director of Supplies (Textiles), Bombay to officiate as Deputy Director (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') on *ad-hoc* basis in the office of Director of Supplies (Textiles), Bombay from the forenoon of 15th March, 1978 and until further orders.

No. A-1/3(26).—The President is pleased to appoint Shri B. L. Sharma, on his return from the Supply Wing, High Commission of India, London to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Headquarters Office of the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 15th March, 1978 and until further orders.

(ADMN. SEC. A-6)

New Delhi, the 30th March 1978

No. A-6/247(225).—Shri A. S. Nagarkatti a permanent Director of Inspection in grade I of the Indian Inspection Service, (Class-I) in Bombay Inspection Circle under the Directorate General of Supplies and Disposals, retired from Govt. Service on the afternoon of 28-2-78 on attaining the age of superannuation.

The 3rd April 1978

No. A-17011/95/76-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Jagmohan Lal Mahana, Examiner of Stores (Tex) in the office of Dy. Director of Inspection, Kanpur under Northern Inspection Circle to officiate as Assistant Inspecting Officer (Tex.) in the same office w.e.f. the forenoon of 1st March, 1978 until further orders.

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 21st February 1978

No. 4-145/77-Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Ramesh Chandra to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Southern Region, Mysore, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 30th January, 1978, until further orders.

C. T. THOMAS,
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 7th April 1978

No. 4(37)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Madhuvanti M. Mirashi as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 18th February, 1978 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ,
Deputy Director of Administration,
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-110001, the 7th April 1978

No. A-12025/1/77-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Kashmira Lal Khosa as Senior Artist, in a temporary capacity with effect from 3rd April, 1978 (afternoon) until further orders.

K. S. SRINIVASAN,
Senior Copywriter,
for Director of Advertising & Visual Publicity

DIRECTORATE OF FILM FESTIVALS

New Delhi-11, the 7th April, 1978

No. 2/2/78-FFD—It is hereby notified that in pursuance of Rule 9 of the Rules for the National Film Festivals, 1978 published in the Directorate of Film Festivals Notification No. 2/1/78-FFD dated the 7th February, 1978, the Central Government on the basis of the recommendations submitted by the two National juries have decided to give awards to the following films/producers/directors/artistes/technicians, namely:—

S.No.	Title of film and language	Name of the Award Winner	Award
1	2	3	4
I. FEATURE FILMS			
1.	<i>Award for the National Best Feature Film:</i> GHATASHRADDHA (Kannada)	PRODUCER Shri Sadanand Suvarna, 6, Sheriar Baug, 77, Ramachandra Bhatt Marg, Bombay-400 009 DIRECTOR Shri Girish Kasaravalli, Ganesh Lodge, Seshadripuram, Bangalore-560 020	‘Swaran Kamal’ (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000/- (Rupees Forty thousand only) ‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees Twenty thousand only)
2.	<i>Award for the Best Feature Film with mass appeal, wholesome entertainment and aesthetic value:</i> — SWAMI (Hindi)	PRODUCER Smt. Jaya Chakravarthy, 17, Jai Hind Society, J.V.P.D. Scheme, Bombay-400 056 DIRECTOR Shri Basu Chatterjee, Violet Villa, West Avenue, Santacruz West, Bombay-400 054	‘Swaran Kamal’ (Golden Lotus) ‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus)
3.	<i>Award for the Best Direction:</i> KANCHANA SITA (Malayalam)	DIRECTOR Shri Aravindan, 26/89, Uppalam Road, Trivandrum-695 001	‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 20,000/- (Rupees Twenty thousand only)
4.	<i>Award for the Best Screenplay :</i> BHUMIKA (Hindi)	SCREENPLAY WRITER Pandit Satyadev Dubey, Shri Shyam Benegal, & Shri Girish Karnad, 103, Sangam, Peddar Road, Bombay-400 026	‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
5.	<i>Award for the Best Actor:</i> KODIYETTOM (Malayalam)	ACTOR Shri Gopi, T.C. 20/397, Karamana, Trivandrum-695 002	‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
6.	<i>Award for the Best Actress :</i> BHUMIKA (Hindi)	ACTRESS Miss Smita Patil, 16, Summit House, Fortjet Hill, Tardeo, Bombay-400 056	‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
7.	<i>Award for the Best Child Actor:</i> GHATASHRADDHA (Kannada)	CHILD ACTOR Master Ajit Kumar, C/o, Shri G. K. Bhat, P.O. Honnesara, Heggodu, Karnataka	‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
8.	<i>Award for the Best Cinematography (Colour)</i> SHATRANJ KE KHILARI (Hindi)	CAMERAMAN Shri Soumendu Roy, 55, Lake Palace, Calcutta-700 026	‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
9.	<i>Award for the Best Cinematography (Black and White)</i> KOKILA (Kannada)	CAMERAMAN Shri Balu Mahendra, B/209, 7th Avenue, Ashoknagar, Madras-600 083	‘Rajat Kamal’ (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)

1	2	3	4
10.	<i>Award for the Best Sound Recording :</i> GODHULI (Hindi)	SOUND RECORDIST Shri S.P. Ramanathan, Prasad Sound Studio, Kodambakkam, Madras-600027	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only).
11.	<i>Award for the Best Editing :</i> INKAAR (Hindi)	EDITOR Shri Waman Bhonsle & Shri Guru Dutt, C/o Film Centre, Tardeo, Bombay-400034	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only).
12.	<i>Award for the Best Music Director :</i> GHATASHRADDHA (Kannada)	MUSIC DIRECTOR Shri B.V. Karanth, 47, 20th Cross, 6th Block, Jayanagar, Bangalore-560 011	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
13.	<i>Award for the Best Male Playback Singer :</i> HUM KISI SE KUM NAHEEN (Hindi)	MALE SINGER Shri Mohd. Rafi, Bandra, Bombay-400050	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
14.	<i>Award for the Best Female Playback Singer :</i> 16 VAYATHINILE (Tamil)	FEMALE SINGER Ms. S. Janaki, 49, 3rd Street, Seethamma Colony, Madras-600 017	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
15.	<i>Award for the Best Children's Film :</i> SAFED HATHI (Hindi)	PRODUCER Shri R.A. Jalan & Shri Pratap Agarwal, C/o Neel Kamal Movies 33-Chittaranjan Avenue, Calcutta-700 012 DIRECTOR Shri Tapan Sinha, 675-'O' Block New Alipore, Calcutta-700 053	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 15,000/- (Rupees Fifteen thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
16.	<i>Best Feature Films in each Regional Language :</i> SHATRANJ KE KHILARI (Hindi)	PRODUCER Shri Suresh Jindal, Prop. Devki Chitra, L 3, Eden Hall, Dr. Annie Basant Road, Worli, Bombay-400018 DIRECTOR Shri Satyajit Ray, 1/1, Bishop Lefroy Road, Calcutta-700 020	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Five thousand only)
17.	SANDHYARAG (Assamese)	PRODUCER Dr. Bhabendra Nath Saikia, Gauhati University, Gauhati-781014 DIRECTOR Dr. Bhabendra Nath Saikia, Gauhati University, Gauhati-781 014	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
18.	TABBALIYU NENADE MAGANE (Kannada)	PRODUCER Shri B.M. Venkatesh & Shri Chandulal Jain, 104, 6th Block, Rajaji Nagar, Bangalore-560 010 DIRECTOR Shri B.V. Karanth, 47, 28th Cross, VIth Block, Jayanagar, Bangalore-560 011 and Shri Girish Karnad, 36, Saraswat Road Dharwar	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five Thousand only)

1	2	3	4
19. KODIVETTOM (Malayalam)		PRODUCER Shri Kulathoor Bhaskaran Nair, Managing Director, Chitralekha Film Co-operative, Trivandrum-695 017 DIRECTOR Shri Adoor Gopalakrishnan, "Darsanam" Trivandrum-695 017 PRODUCER Ms. Usha Mangeshkar, 101, Prabhu Kunj, Peddar Road, Bombay-400026 DIRECTOR Dr. Jabbar Patel, Daund, District : Pune PRODUCER Shri Shyamghan Rai Chaudhuri, Hara Gouri Films, Water Works Road. Puri-2 (Orissa) DIRECTOR Shri Biplab Ray Chaudhuri, 140/4A/1, Netaji Subhash Chandra Bose Road, Calcutta-700 740 PRODUCER Shri Charly John, Puthuram, Lourde Church Road, Pattom Palace P.O., Trivandrum-695 004 DIRECTOR Shri John Abraham, 3, Lady Madhavan Nair Road, Mahalingapuram, Madras-600 034 PRODUCER Shri A. Parandhama Reddy, 20/A, Raja Bather Street, Madras-600 017 DIRECTOR Shri Mrinal Sen, 4 E, Motilal Nehru Road, Calcutta-700 026	'Rajat Kamal' (Silver Lotus/ and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus/ and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 10,000/- (Rupees Ten thousand only)
20. JAIT RE JAIT (Marathi)			
21. CHILKA TEEREY (Oriya)			
22. AGRAHARATHIL KAZHUTHAI (Tamil)			
23. OKA OORIE KATHA (Telugu)			
24. <i>Best Information Film (Documentary)</i> DESHRATNA RAJENDRA PRASAD (Hindi)		II. SHORT FILMS PRODUCER Shri Arvind Kumar Sinha, A-3, Queens Park, Juhu Road, Bombay-400 054 DIRECTOR Shri M. Prabhat, A-3, Queens Park, Juhu Road, Bombay-400 054 PRODUCER A.V. Films, 4/13 Shah Buildings Bhagat Lane, Mahim Bombay-400 016 DIRECTOR Shri Arun Khopkar, 4/13 Shah Buildings Bhagat Lane, Mahim, Bombay-400016 PRODUCER Shri Santi P. Chowdhury, 9/1, Lavelock Place, Calcutta-700 019 DIRECTOR Shri Santi P. Chowdhury, 9/1, Lavelock Place, Calcutta-700 019	'Rajat Kamal' (Silver Lotus/ and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus/ and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash Prize of Rs. 5000/- (Rupees Five thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash Prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand only) 'Rajat Kamal' (Silver Lotus)
25. <i>Best Educational/Instructional Film</i> TOBACCO HABITS AND ORAL CANCER (English)			
26. <i>Best Promotional film (Non-Commercial/Commercial)</i> PARVATI (Hindi)			

1	2	3	4
27. <i>Best Experimental Film</i> : SAMADHI (Music Only)	PRODUCER The Director Film & TV Institute of India Law College Road PUNE-411 004	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash Prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)	
28. <i>Best Animation Film</i> : PRAKRUTHI KA NIYAM (LAW OF NATURE) (Hindi)	DIRECTOR Shri John Sankaramangalam Asst. Prof. of Direction Film & TV Institute of India Law College Road PUNE-411 004	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash Prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand only)	
29. <i>Best Newsreel Cameraman</i> : HIMALAYAN PILGRIMAGE (I.N.R. No. 1508) (English)	PRODUCER Shri G.P. Asthana/Films Division Govt. of India, 24-Dr. G. Deshmukh Marg, Bombay-400 026	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash Prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)	
30. <i>Best Indian News Review</i> : UNPRECEDENTED HAVOC (in I.N.R. No. 1520) (English)	ANIMATOR Shri V.G. Samant Films Division Govt. of India 24-Dr. G. Deshmukh Marg Bombay-400 026	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 4,000/- (Rupees Four thousand only)	
SHRI NITTIN BOSE 19, Perin Villa Pali Hill Road, Bandra Bombay-400 056	DIRECTOR Shri C.L. Kaul Films Division Govt. of India 24-Dr. G. Deshmukh Marg Bombay-400 026	CAMERAMAN Shri C.L. Kaul Films Division Govt. of India 24-Dr. G. Deshmukh Marg Bombay-400 026	'Rajat Kamal' (Silver Lotus) and a cash prize of Rs. 5,000/- (Rupees Five thousand only)
		III. DADA SAHEB PHALKE AWARD	'Swaran Kamal' (Golden Lotus) and a cash prize of Rs. 40,000/- (Rupees Forty thousand only) and a Shawl

T.A. RAMIAH,
Joint Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th April 1978

No. A-38013/1/78-SI.—On attaining the age of superannuation, Shri P. R. Batra, Assistant Depot Manager, Medical Store Depot Madras retired from Govt. Service with effect from the afternoon of the 31st January, 1978.

The 11th April 1978

No. A-38017/1/78-SI.—Consequent upon his death, Shri K. Ganesan, Asstt. Depot Manager, Government Medical Stores Depot Madras ceased to be in Government Service with effect from 17th March 1978.

SANGAT SINGH,
Deputy Director Administration (Stores)

New Delhi, the 7th April 1978

No. A.12026/24/77(HQ)Admn.I.—Consequent on expiry of leave of Shri K. C. Gangal, Shri S. M. Sharma relinquished charge of the post of Technical Officer in the Central Drugs Standard Control Organisation of the Directorate General of Health Services on the afternoon of 25th January, 1978.

S. L. KUTHIALA,
Deputy Director Administration (O&M)DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 29th March 1978

No. AMD-1/30/77 Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Shivaran Singh Raghuvanshi as Scientific Officer/Engr. Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th March, 1978 until further orders.

S. RANGANATHAN,
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 31st March 1978

Ref. No. HWPs/Estd./1/T-1/1539.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri Vijay Gajanan Tamhane, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Accounts Officer in the same office w.e.f. 3-1-1978 (FN) to 16-3-1978 (AN) vice Shri S. K. Limaye, Assistant Accounts Officer, Heavy Water Projects (Central Office) granted leave.

K. SANKARANARAYANAN,
Senior Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY
(CENTRAL OFFICE)

Bombay-400 039, the 30th March 1978

No. APA/Adm/2/10/76.—The Chairman-cum-Chief Executive hereby appoints Shri V. V. Sabharwal, an officiating Private Secretary in this office as Private Secretary in a substantive capacity with effect from March 1, 1978.

S. MURALI,
Chief Adm. & Accounts Officer
for Chairman-Cum-Chief Executive

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 5th April 1978

No. SAC/EST/CA/AO/10/78.—The Director is pleased to appoint Shri Jamuna Prasad as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from November 7, 1977 until further orders.

S. G. NAIR,
Head, Personnel & Gen. Admn.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th April 1978

No. E(1) 03706.—On attaining the age of superannuation Shri S. K. Sanyal, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Deputy Director General of Observatories (Instruments) New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st January 1978.

No. E(1)04175.—On attaining the age of superannuation Shri Gurcharan Singh, officiating Assistant Meteorologist, Office of the Deputy Director General of Observatories (Instruments), New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government Service with effect from the afternoon of 31st January 1978.

G. R. GUPTA,
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th April 1978

No. A.32013/14/77-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan, Director of Research & Development to the grade of Deputy Director General of Civil Aviation on *ad hoc* basis with effect from 1-3-78 to 29-4-78 vice Shri P. K. Ramachandran, who has been granted leave for the period.

P. C. JAI
Assistant Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 5th April 1978

No. A.32013/1/78-EC.—The President is pleased to appoint Shri K. R. Ramanujam, Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from the 7-3-1978 (FN) vice Shri S. K. Govikar, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay, granted earned leave for 43 days.

No. A.32014/1/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri T. L. Relwani, Technical Assistant to the grade of Assistant Technical Officer on *ad hoc* basis with effect from 15-3-78 (FN) vice Shri C. P. Rao, Asstt. Technical Officer granted earned leave for 60 days with effect from 25-2-78 and post him at Aeronautical Communication Station, Bombay.

No. A.32014/2/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri D. De, Communication Assistant to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from the 20-2-78 (FN) and to post him at Aeronautical Communication Station, Calcutta Airport, Dum Dum, Calcutta-52.

S. D. SHARMA, Dy. Dir. (Admn.)

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM
MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 4th April 1978

No. 16/267/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri A. P. Kureel, as Research Officer on regular basis under the 5th Five Year Plan Scheme "Development of Economic Methods for protection of logs and wood chips from decay and insect attack" at the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 8th July, 1977 until further orders.

No. 16/285/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Raghbir Singh Bhandari, Research Assistant Grade I, as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme on "Evaluation of Forest Diseases and insect pests of economically important tree species and their control (Entomology)" under the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 22-9-77 until further orders.

No. 16/287/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Ram Mohan Misra as Research Officer on regular basis with effect from the forenoon of 22-9-77 until further orders.

No. 16/288/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Bal Krishna Gupta, Research Assistant Grade I, as Research Officer, at the Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the forenoon of 22-9-77 until further orders.

No. 16/291/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Kalyan Singh, Research Assistant Grade I, at the Forest Research Institute & Colleges, as Research Officer under the 5th Five Year Plan Scheme "Forest Soil Laboratories (Forest Soil-cum-Vegetation Survey)" at its headquarter at Dehra Dun with effect from the forenoon of 9th November, 1977, until further orders.

The 7th April 1978

No. 16148/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, has been pleased to place the services of Dr. Rajesh Pant, Research Officer, Forest Research Institute & Colleges, at the disposal of the Hindustan Paper Corporation Ltd., with effect from the forenoon of 1st March, 1978, on deputation on foreign service terms until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR, Kul Sachiv

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 6th April 1978

No. II(7)2-I-T/78/3788.—Sri Mozahiruddin officiating Assistant Chief Accounts Officer of Central Excise & Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-1-78 (AN).

The 23rd March 1978

No. II(1)2-ET/78/3789.—Sri P. K. Roy officiating Chief Accounts Officer of Central Excise and Customs Collectorate, Patna, has retired from service on Superannuation with effect from 31-1-78 (AN).

The 10th April 1978

C.No. II(7)1-ET/77/3576—The following Superintendent, Group 'B' of Central Excise and Customs Collectorate, Patna have retired from service on superannuation with effect from date and hours as indicated against each:—

Sl. No.	Name	Date of confirmation
1. Shri B.N. Rai	.. .	31-12-77 (A.N.)
2. Sri Ramodhar Jha	.. .	31-1-78 (A.N.)
3. Sri S. Mukhtar Ahamed	.. .	31-1-78 (A.N.)
4. Sri S.N. Guha Thakurta	.. .	31-1-78 (A.N.)
5. Sri S. K. Das	.. .	28-2-78 (A.N.)

No. II(7)1-ET/77/3879.—Sri A. L. Sen Gupta, officiating Superintendent Group "A" of Central Excise & Customs Collectorate, Patna, has retired from service on superannuation with effect from 31-12-77 (AN).

A. M. SINHA,
Collector
Central Excise Patna.

Kanpur, the 6th April 1978

No. 4/78.—Shri D. N. Gautam, confirmed Superintendent Central Excise Group 'B' Meerut handed over the charge of Superintendent, Central Excise, MOR Meerut in the afternoon of 30-11-77 to Shri R. C. Malhotra, Superintendent Central Excise, Meerut and retired from Government service on attaining the age of superannuation in the afternoon of 30-11-1977.

K. PRAKASH ANAND
Collector
Central Excise, Kanpur.

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 7th April 1978

MERCHANT SHIPPING

No. 4(5)CRA/78.—The Director General of Shipping, Bombay hereby appoints Shri T. P. Gaja officiating Superintendent to officiate as Asstt. Director, Seamen's Employment Office, Bombay with effect from the forenoon of the 6-3-1978 purely on an ad-hoc basis, for a period of three months or till the regular nominee to the post is appointed whichever is earlier.

M. WALA,
Dy. Dir. Genl. of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 5th April 1978

No. A-19012/664/77-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints, on promotion, Shri G. S. Errum, Senior Professional Assistant (Statistics) to the grade of Extra Assistant Director (Statistics) in the Central Water Commission in the pay scale of R. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad hoc basis for a period of one year with effect from the forenoon of 7th October, 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The promotion of Shri G. S. Errum to the grade of Extra Assistant Director (Statistics) is made purely on a temporary and ad hoc basis. He will have no right to claim Seniority/regular promotion to the grade on account of service rendered by him in the grade of Extra Assistant Director (Statistics) on ad hoc basis.

J. K. SAHA, Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT
OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 6th April 1978

No. 23/2/77-EC.II.—The following Officers of Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government service with effect from 31-3-1978 A.N.

Name & designation	Office
1. Shri O.P. Mittal, Chief Engineer	Chief Engineer (N.D.Z.) C.P.W.D., New Delhi.
2. Shri T.S. Rupal, Executive Engineer	Income Tax Department Valuation Unit, New Delhi.
3. Shri M.S. Venkataratnam, Executive Engineer (Electrical)	Central Electrical Division, C.P.W.D., Coimbatore.

S.S.P. RAU,
Deputy Director of Administration
for Director-General (Works)

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS
(CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT)

New Delhi, the 4th April 1978

No. 33/12/73-ECIX/27/40/77-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Sethi, a nominee of the UPSC against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD, or a pay of Rs. 1350/- P.M. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) with effect from 17-3-78 AN.

2. Shri V. K. Sethi is placed on probation for period of two years with effect from 17-3-78 AN.

No. 33/12/73-ECIX/27/45/77-ECIX.—The President is pleased to appoint Shri Y. D. Sharma, a nominee of the UPSC against the temporary post of Architect (G.C.S. Group A) in the CPWD on a pay of Rs. 1100/- P.M. in the scale of Rs. 1100—50—1600 (plus usual allowances) with effect from 16-3-78 (FN) on the usual term and conditions.

2. Shri Sharma is placed on probation for period of two years with effect from 16-3-78 FN.

KRISHNA KANT
Dy. Dir. of Admn.

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 3rd April 1978

1. E/283/31 Pt.IX(O).—Shri S. B. Chakraborty, AEN (Class III) is appointed to officiate in S1. scale as Executive Engineer with effect from 10-10-77.

2. E/283/31 Pt XI(O).—Shri S. M. Biswas, AEN (Class II) is appointed to officiate in Sr. scale as Executive Engineer with effect from 10-10-77.

3. E/283/III/54 PVII(O).—Shri A. L. Cyril, AME (Class II) is appointed to officiate in Sr. scale as Works Manager with effect from 13-10-77.

4. E/283/III/133 PIV(O).—Shri D. Bose, ASTE (Class II) is appointed to officiate in Sr. Scale as DSTE w.e.f. 16-10-77.

5. E/283/82 PXI(O).—Shri N. G. N. Chowdhury, CI (Class III) is appointed to officiate in Class II as ACS w.e.f. 1-11-77.

6. E/283/III/133 PIV(O).—Shri D. K. Ghosh, ATE (Class II) is appointed to officiate in Sr. scale as DSTE with effect from 16-11-77.

7. E/283/82 PXI(O).—Shri S. K. Sanyal, YM (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *ad hoc* measure as Asstt. Commercial Supdt. with effect from 17-11-77.

8. E/283/82/PXI(O).—Shri H. P. Chakraborty, AOS (Class II) is appointed to officiate in Sr. Scale as Divisional Safety Officer with effect from 24-11-77.

9. E/283/III/54 PVIII(O).—Shri K. V. S. S. Prasad Rao, Supdt. Seetography (Class III) is appointed to officiate in Class II service purely on *adhoc* measure as ACMT with effect from 28-11-77.

10. E/283/III/54 PVIII(O).—Shri H. K. Dutta, AME (Class II) is appointed to officiate in Sr. scale as PTS with effect from 23-12-77.

M. R. N. MOORTHY
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M/s. Pudukkottai Viyaparigal Sangam*

Madras-600 006, the 3rd April 1978

No. 2120/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pudukkottai Viyaparigal Sangam has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Jackulin Chit Funds Private Limited.*

Madras-600 006, the 3rd April 1978

No. DN/685/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Jackulin Chit Funds Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

K. PANCHAPAKESAN,
Asst. Registrar of Companies.
Tamil Nadu,
Madras

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Rusk Trading & Finance Private Limited*

Kanpur, the 6th April 1978

No. 4283/3090 L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Rusk Trading & Finance Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the Matter of Companies Act, 1956, and of
Forgings and Castings Limited.*

Kanpur, the 6th April 1978

No. 4281/3781-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Forgings and Castings Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Textube Private Limited.*

Kanpur, the 6th April 1978

No. 4282/3799-L.C.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Textube Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. NARAYANAN
Registrar of Companies, U.P.,
Kanpur

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
The Thangam Chit Fund Company Private Limited, Madras*

Madras-600 006, the 7th April 1978

CORRIGENDA

No. 5001/560(3)/76.—The name of the company may please be read as “The Thangam Chit Fund Company Private Limited” instead of “Thangan Chit Fund Company Private Limited” appearing in the Notification No. DN/5001/560(3)/76 published in the Gazette of India, dated 23-10-76 Part III Section 1 at the page No. 9209.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Sri Devi Amma Transporters Private Limited.*

Madras-600006, the 7th April 1978

No. 4012/560(3)/77.—The name of the company may please be read as “Sri Devi Amma Transporters Private Limited” instead of “Sri Devi Amma Transporters Private Limited” appearing in the Notification No. DN/4012/560(3)/77 published in the Gazette of India, Part III Section I dated 18-2-78 at page No. 877.

C. ACHUTHAN,
Asst. Registrar of Companies,
Tamil Nadu

Jullundur, the 5th April 1978

No. Stat/560/2693/L/208.—Whereas New India Lucky Scheme & Finance (P) Ltd. (In Lqn.) having its registered office at Jullundur is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting, and statements of Accounts (returns) required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of New India Lucky Scheme & Finance (P) Limited, will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies,
Pb., H.P. & Chandigarh

FORM ITNS—

(1) Shri Harinder Pal Singh s/o Late Sh. P. S. Singh, (through his general attorney Sh. Narinder Pal Singh R/o 13/27 WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Kumar Singh Bedi s/o Late Shri Narinder Singh Bedi, R/o H. No. 557, Sector 18-B, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 30th March 1978

Ref. No. CHD/48/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 557, Sector 18-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property consists of House No. 557, Sector 18-B, Chandigarh. The house is built on a corner plot measuring 828 sq. metres.

(Property as mentioned in the sale deed registered at Serial No. 501 in the month of August, 1977 with the Sub-Registrar, Chandigarh.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 30-3-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11st April 1978

Ref. No. ARI/2021-12/Aug 77.— Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. C. S. 756 of Malbar & Cumballa Hill situated at Divn (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Framroze M. Poohkhanwalla, 2. Sheroo A. Soordas, and 3. Dinshaw M. Spencer.
(Transferor)
2. Shri Mofatraj Pukhraj Munot.
(Transferee)
3. Tenants. 1. Buima Shell, 2. Miss G. S. Taracand
3. Lalubhai J. Patel.
(Person in occupation of the property)

(3) Military Estate Officer, Ranchi, With whom an agreement has been reached to let out the property on a monthly rent of Rs. 950/- w.e.f. 8-10-1977.

[Person in occupation of the property]
Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As mentioned in the Registered Deed No. 914/72/Bom and as registered on 19-8-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 11-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sabitri Devi Khetan, W/o Hargobind Khetan
Bank Road, Patna-1.

(Transferor)

(2) Smt. Kunti Devi W/o Sri Jagarnath Sing, Purainia
P. S. Bihata, P. O. Neura, Distt. Patna.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE, BIHAR
BORING CANAL ROAD, PATNA

Bihar, the 20th March 1978

Ref. No. III-268/Acq/77-78/2704.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Touji No. 5453 (old) 18231 (new) Khata No. 71, Kheshra No. 75 Ward No. 34 Circle No. 247 situated at Rajapur Hasan, Patna in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 6-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13—46GI/78

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 10 Katha, 4 Dhurs at Rajapur Hasan, Patna, Touji No. 5453/18231, Khata No. 71, Khasara No. 755 as described in deed No. 7968 dated 6-8-77.

J. NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar Patna.

Date : 20-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Smt. Chakilam Rajalakshmi Devi, W/o late Sri C. Lakshmin Rao, H. No. 23-6-74 Bela Chandulal, Hyderabad.

(Transferor)

2. Sri B. M. Dayashankar S/o late Sri B. S. Mallar Rao, H. No. 3-4-634 at Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April 1978

Ref. No. RAC No. 1/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-634 situated at Narayanguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on August 77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3-4-634 situated at Narayanguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2296/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Aktharunnisa Begum, D/o Late Ghulam Khadar,
H. No. 5-9-658 to 661 Gunfoundry, Hyderabad,
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri Devata Papaiah S/o Chandraiah, II. No. 3-1-79
Marvadigulli, Nizamabad.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th April 1978

Ref. No. RAC No. 2/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-658 to 661 & 644 to 646 situated at Gunfoundry, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act (16 of 1908) in the office of the registering officer at Hyderabad on 24-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) M/s. Venkatappaiah, & Co., C.A. H. No. 5-9-658 to 661 Gunfoundry, Hyderabad.
[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double storeyed building No. 5-9-658 to 661 and 644 to 646 at Gunfoundry, Hyderabad, registered *vide* Doc. No. 2345/77 with the joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Sri Mohammed Yusuf Ali, Chiken & Eggs Stall, Inside General Market, Secunderabnd.
(Transferor)

2. Sri 1. Mohanlal Jain, 2. Meethalal Jain, both residing at 7-1-627/2 Alladin Market, Secunderabnd.
(Transferee)

3. Shri K. R. Satyanarayana, Ganesh Cloth Shop, H. No. 7-2-767 Mandi Market, Secunderabnd.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD
Hyderabad, the 7th April 1978

Ref. No. RAC. No. 3/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8 situated at General Market, Seobad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 12-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land No. 8 admeasuring 369 Sq. Feet, H. No. 7-2-867 at General Market, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1264/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th April 1978

Ref. No. RAC No. 4/78-79.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 9 situated at General Market, Secobad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 12-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sri Mohd. Yousuf Ali, S/o Mohd. Ali Chiken & Eggs Stall, Inside General Market, Secunderabad.
(Transferor)

2. Sri I. Shantilal Jain, 2. Vimal Chand, No. 1 H. No. 1-8-65 at Chikadally, Hyderabad, No. 2. H. No. 1-7-800/4 Mohan Nagar, Hyderabad.
(Transferee)

3. Sri Mohd. Kasim, S/o Mohd. Jamal, H. No. 7-2-766 Monda Market, Secunderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 9 admeasuring 369 Sq. Feet. H. No. 7-2-868 at General Market, Secunderabad, registered vide Doc. No. 1265/77 with the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 20th March 1978

C.R. No. 62/12140/77-78/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property bearing No. 4 situated at Krishnarajendra Road, Basavangudi, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 899 on 1-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) K. Ramanna alias K. Ramu,
S/o Sri A. P. Krishnappa,
P/r of M/s A. P. Krishnappa and sons,
New Tharagupet, Bangalore City.
(Transferor)

(2) 1. Sri C. K. Ramaiah Setty
S/o Sri Kumbaiyah Setty,
2. Sri C. R. Vijaya Kumar,
S/o Sri C. K. Ramaiah Setty,
3. Sri C. R. Hari Kumar,
S/o Sri C. K. Ramaiah Setty
Nos 1 to 3 are R/o No. 130
Rashtriya Vidyalaya Road, V. V. Puram,
Bangalore-4.
(Transferee)

(3) Sri B. M. Laxminarasimhaiah.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 899/77-78 Dated 1-8-1977]
All that piece and parcel of the premises bearing No. 4, Sri Krishnarajendra Road, Basavangudi, Bangalore-4.

Boundaries :

E. : Conservancy lane.

W. : Sri Krishnarajendra Road.

N. : Property belonging to Sri R. Ragupathi Rao and others.

S. : Property belonging to Sri S. Srinivasa Iyengar.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date 20-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Renuka Ghose,
W/o Dr. Aurobindo Nath Ghose.

(Transferor)

(2) Shri Kulamani Das.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, 9, FOREST PARK,
BHUBANESWAR

Bhubaneswar-9, the 13th April 1978

Ref. No. 70/78-79/JAC(A/R)/BBSR.—Whereas, J. A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 1118 situated at Puri town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Puri on 16-7-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under signed—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Balukhand, over Plot No. 1118 in Puri town under the jurisdiction of Sub-Registrar, Puri and registered by Sale document No. 3467, dated 16-7-77.

A. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Bhubaneswar,

Date 13-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Shri Yaturu Sambrajyamma,
W/o Peda Punnaiah,
Moguluru, Nandigama Taluk,
Krishna Dist.

(Transferor)

(2) Shri Kamsani Gopaiah,
S/o Narasaiah,
Moguluru, Nandigama Taluk,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 634.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 33/1 & 2 situated at Moguluru village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nandigama on 2-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3404/77 registered before the Sub-registrar, Nandigama during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 22-3-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS —

(1) Shri Valdamani Kameswararao,
S/o Shri Suryanarayana,
Nandampudi Agraaram,
Amalapuram Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. Palacholla Sita Devi,
W/o Shri Venkata Sriramaraao,
Advocate, Amalapuram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 636.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76 situated at Amalapuram and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amalapuram on 24-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

The schedule property as per registered document No. 3218/77 registered before the Sub-registrar, Amalapuram during the fortnight ended on 31-8-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 22-3-1978.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd March 1978

Ref. No. Acq. F. No. 639.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing TS No. 58-11-113 situated at Santhapeta, Ongole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ongole on 1-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ala Raghavaiah,
S/o Shri Ramanaiah,
Voletilvaripalam, Trovagunta Post,
Ongole Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Chaganti Kodanda Ramaiah,
S/o Shri Chandraiah,
Kamepalli Post, Kandukur Taluk,
Prakasam Dist.

(Transferee)

(3) V.V.M. College Laboratory,
Ongole.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1847/77 registered before the Sub-registrar, Ongole during the fortnight ended on 15-8-1977.

N. K. NAGARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 22-3-1978.

Seal :

FORM ITNS —

(1) The Executive Officer,
Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Dilip Kumar Paul,
2. Sri Jawahar Lal Paul,
Fatak Bazar, Silchar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 16th March 1978

Ref. No. A-170/Sil/77-78/1584-86.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Dag No. 6351, situated at Old Cattle Market, Silchar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Silchar on 9-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha of plot No. 36 situated at Old Cattle Market under Pargana Barakpar in the district of Cachar (Assam).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) The Executive Officer,
Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 15th March 1978

Ref. No. A-171/SIL/77-78/1591-82.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 6351 situated at Old Cattle Market, Pargana Barakpar, Silchar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Silchar on 9-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Smt. Suniti Bala Choudhury,
Water Works Road, Silchar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 3 Katha of plot No. 28 situated at Old Cattle Market under Pargana Barakpar Silchar in the district of Cachar (Assam).

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Executive Officer,
Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Md. Abdul Rakib,
Kalibari road, Silchar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Shillong, the 16th March 1978

Ref. No. A-172/SIL/77-78/1597-98.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 6351 situated at Old Cattle Market, Pargana Barakpar, Silchar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 9-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 3 Katha of plot No. 8 situated at Old Cattle Market Pargana Barakpar Silchar in the district of Cachar (Assam).

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-1978.
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Executive Officer,
Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (1) 1. Sri Kamala Kanta Das Gupta, Arun Chandra Road, Silchar.
2. Sri Amrit Lal Deb Roy, Behera Bazar, Hatima
3. Sri Nepal Chandra Deb, Radha Madhab Nagar, Silchar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Shillong, the 16th March 1978

Ref. No. A-173/Sil/77-78/1623-26.—Whereas, I,
EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 63361, situated at Phatak Bazar, Silchar (Assam) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on October 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land market plot No. 34 measuring 4 (four) Katha situated in the Old Cattle Market of Pargana Barakpar, Silchar in the district of Cachar (Assam).

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 16-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) The Executive Officer,
Silchar Municipal Board.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Md. Abdul Jalil,
Lakhipur Road, Silchar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONGObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Shillong, the 16th March 1978

Ref. No. A-174/Sil/77-79/1627-28.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 6351 situated at Old Cattle Market, Pargana Barakpar, Silchar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on October, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Katha of plot No. 10 situated at Old Cattle Market under Pargana Barakpar, Silchar in the district of Cachar (Assam).

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 16-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Paresh Ch. Paul,
Padmanagar, Silchar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 22nd March 1978

Ref. No. A-175/Sil/77-78/1617-18.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Dag No. 6351 situated at Old Cattle Market, Silchar, Pargana Barakpar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Silchar on 21-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Sri Nripendra Ch. Paul,
Padmanagar, Silchar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 3 Katha of plot No. 23 situated at Old Cattle Market under Pargana Barakpar Silchar in the district of Cachar (Assam).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-3-1978.

Seal :

FORM 1TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 22nd March 1978

Ref. No. A-176/Gau/77-78/1633-53.—Whereas, I,

EGBERT SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag No. 223 K.P. Patta No. 44 situated at Village Dispur Mouza Beltola Gauhati (Assam).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gauhati on 29-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Hemalata Baishya
W/o Shri Gopal Chandra Baishya
Krishna Nagar, Chandmari, Gauhati.
- 2. Smt. Sarala Baishya
W/o Sri Sarat Chandra Baishya
Krishna Nagar, Gauhati.
- 3. Smt. Usha Baishya
W/o Shri Promode Chandra Baishya
Chandrapur, Gauhati.
- 4. Smt. Prativa Baishya.
- 5. Shri Dilip Kumar Baishya.
- 6. Smt. Jamuna Baishya
- 7. Smt. Dipika Baishya.
All (4-7) S/o and D/o
Late Bhrigu Ram Baishya,
Dispur, Gauhati.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hukum Chand Sarawgi
S/o Late Mishrilal Sarawgi.
- 2. Shri Anandilal Sarawgi
S/o Late Jaichand Lall Sarawgi
- 3. Shri Sohanlal Sarawgi
S/o Late Jaichand Lall Sarawgi
- 4. Shri Bijoy Kumar Sarawgi
S/o Late Mishrilal Sarawgi.
- 5. Shri Jai Kumar Sarawgi
S/o Late Phulchand Sarawgi.
- 6. Shri Suresh Kumar Sarawgi
S/o Shri Dungarmal Sarawgi.
- 7. Shri Basant Kr. Sarawgi
S/o Late Jaichand Lall Sarawgi.
- 8. Shri Pannalal Sarawgi
S/o Shri Dungarmal Sarawgi.
- 9. Shri Kishore Kumar Sarawgi
S/o Late Mishrilal Sarawgi.
- 10. Shri Padamchand Sarawgi
S/o Shri Dungarmal Sarawgi.
- 11. Shri Ajit Kumar Sarawgi
S/o Late Phulchand Sarawgi.
- 12. Shri Mahendra Kunar Sarawgi
S/o Late Mishrilal Sarawgi.
- 13. Shri Makanlal Sarawgi
S/o Dhungarmal Sarawgi.
- 14. Shri Niranjana Kumar Sarawgi
S/o Late Phulchand Sarawgi.
C/o Messrs. Chhaganmal Sarawgi & Sons,
Fancy Bazar, Gauhati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 (three) Katha 1 (one) Lassa situated at Village Dispur, mouza Beltola in the district of Kamrup (Assam).

EGBERT SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 22-3-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Narayan Janrao Deshmukh,
Morshi Road, Amravati.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER
SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 4th December 1977

Ref. No. IAC/ACQ/52/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Three Storied House No. 18/1230 to 1233 Part 516 Sq. ft. sheet No. 68A Plot No. 121 (1865 Sq. ft.) situated at Jawahar Road, Amravati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 12-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Girdharilal Balmukand Agrawal,
Tajanapeth, Telipura, Akola.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part Portion of House No. 18/1230 to 18/1233 constructed on Nazul Plot No. 121, Sheet No. 68A (516 Sq. ft.) Jawahar Road, Amravati.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 4-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Bhagwatibai w/o
Motiram Dayalani,
Aurangabad.

(Transferor)

(2) Smt. Leelabai
w/o Shantilal Muthiyani,
Tilak Road, Aurangabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBER
SADAR NAGPUR

Nagpur, the 11th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/63/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double Storeyed House M. No. 5-22-30, at Paithan Gate, Aurangaba situated at Aurangabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aurangabad on 29th August 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Double Storeyed House M. No. 5-22-30, at Paithan Gate, Aurangabad.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 11-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rao Saheb Uttamchand Gugle,
Bheer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhagwatibai
Motiram Dayalani,
Shahaganj, Aurangabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHEMBER
SADAR NAGPUR

Nagpur, the 11th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/64/78-79.—Whereas, I, H. C. SHRIVASTAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Double Storeyed House M. No. 5-22-30, at Paithan Gate, Aurangabad situated at Aurangabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aurangabad on 27th July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Double Storeyed House M. No. 5-22-30, at Paithan Gate, Aurangabad.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Acquisition Range, Nagpur.

Date : 11-4-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th March 1978

Ref. No. ASR/58/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, I.R.S. IAC. Acq., being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Share of Plot No. 108 situated at Rani Ka Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal
S/o Shri Damodar Dass,
Bazar Loha Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gurbax Lal
S/o Shri Govind Ram,
Plot No. 108, Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of Plot No. 108, Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1648 of August 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, I.R.S.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 8-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 8th March 1978

Ref. No. ASR/59/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, I.R.S. IAC. Acq., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property as aforesaid exceeds the apparent consideration and bearing
‡ Share of Plot No. 108 situated at Rani Ka Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in August, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Gunvati
Wd/o Late Kishore Lal
R/o Mall Road, ASR.

(Transferor)

(2) Shri Gurbax Lal
S/o Shri Govind Ram,
Plot No. 108, Rani Ka Bagh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

‡ Share of Plot No. 108, Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1650 of August, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 8-3-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th March 1978

Ref. No. ASR/60/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL
 IRS. IAC. Acq.,
 being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
 situated at Head Water Works Road, Amritsar
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the
 Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
 Registering Officer at
 Amritsar City in September, 1977
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Shakuntala
 W/o Shri Om Parkash
 r/o Bz. Pashumwala, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s Om Milling and Dyeing Works,
 Head Water Works Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Premises of M/s. Om Milling and Dyeing Works, Head Water Works Road, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 2145 of September, 1977 of Registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL, I.R.S.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th March 1978

Ref. No. ASR/61/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, IRS. IAC. Acq., being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

situated at Head Water Works Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Kanta Gupta
 w/o Shri Sukhdev Gupta,
 r/o Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s Om Milling and Dyeing Works,
 Head Water Works Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
 [Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the regd deed No. 2146 of September, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, I.R.S.
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Pashottam Lal
s/o Shri Fagir Chand
r/o Kt Ghanian, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s. Om Milling and Dyeing Works,
Head Water Works Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No. ASR/62/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL,
IRS, IAC, Acq.,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Head Water Works Road, Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
City-Amritsar in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the
said Act, in respect of any income arising from
the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory Premises of M/s. Om Milling and Dyeing Works,
Head Water Works Road, Amritsar as mentioned in the regd
deed No 1511 of August, 1977 of Registering Authority,
Amritsar City.

S. K. GOYAL, I.R.S.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-3-1978.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

16—46GI/78

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th March 1978

Ref. No. ASR/63/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, I.R.S., I.A.C., Acq., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Head Water Works Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at City-Amritsar in August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Faqir Chand
s/o Shri Lal Chand
r/o Bz. Pashumwala, Amritsar.

(Transferor)

(2) M/s Om Milling and Dyeing Works,
Head Water Works Road, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the regd. deed No. 1780 of August, 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL, I.R.S.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 30-3-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) S/Shri Kutubuddin, Sirajuddin, Muinuddin
Muhammuddin and Abdul Kadar S/o
Sekh Fariduddin,
R/o 71, Boundary Road Meerut Cant.

(Transferor)

(2) Navyug Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.,
through Shri Gautam Sharma, President
S/o Shri Tara Chand Sharma
R/o Brahmputri, Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 31st December 1977

Ref. No. ACQ/1101-A/MRT/77-78/6527.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
number as per schedule situated at as per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Meerut on 26-8-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of Land measuring 13 Biswa 4 Biswansi and 13 Kach-
wansi situated at near Prahlad Nagar Opp. Saket, Meerut
Transferred for an apparent consideration of Rs. 61,850/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 31-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th January 1978

Ref. No. Acq/783/Firozabad/77-78/6807.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 30-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Hariom Prakash, Mahesh Chand, Ramesh Chand, Satish Chand Ashok Kumar S/o Shri Madan Lal and Arun Prakash, Rakesh Kumar S/o Hariom Prakash and Smt. Maya Devi W/o Shri Madan Lal R/o Gher Baubran and Bagh Chiggamal, Firozabad.

(Transferor)

(2) S/Shri Mannumal, Virendra Kumar, Dinesh Chand, Surendra Kumar and Anil Kumar and Mukesh Kumar (Minor) S/o Lala Shri Babu R/o Gher Aasgaran and Chiggamal Bagh, Firozabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Kamla Glass Works (Half Share) situated at Kotla Puzaba, Nai Basti, Firozabad, Agra, Transferred for an apparent consideration of Rs 1,00,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-1-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nagendra Krishan Gautam
S/o Shri Mahraj Krishan,
R/o D-60, Racc Course, Dehradun.

(Transferor)

(2) S/Shri Jaswant Singh, Kulwant Singh, Dharam
Singh, Ajit Singh and Mohinder Singh,
All Ss/o Late Shri Beer Singh,
R/o 35, Dhamawala, Dehradun.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 19th January 1978

Ref. No. Acq/1046-A/D.Dun/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of double storied bearing No. 10, Block II, (Old No. D-60) situated in Race Course Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 60,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 19-1-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS—

(1) M/s Sugga Engg. Works (P) Ltd.
M. M. Road, New Delhi.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/995-A/G.Bad/77-78/8069.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 29-8-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s Chhabra Industrial Corporation
8-B, Jindal Trust Building
A. Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Factory Building No. B-20, sit No. 1 situated in Industrial Area, Bulandshahar Road, Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 3,90,000/-.

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Praveen Saxena Wd/o
Shri Raghunath Saharai Saxena and
Shri Ajai Raghunath Saxena S/o
Shri Raghunath Saxena, Self & Father &
Natural Guardian of Smt. Saxena, R/o
7/183, Swaroop Nagar, Kanpur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

(2) Shri Roop Kishore Nigam S/o
Shri Krishan Behari Lala and
Shri Rajendra Kumar S/o
Shri Roop Kishore Nigam R/o
106/29, Gandhi Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

Kanpur, the 10th March 1978

Ref. No. Acq/1409-A/Kanpur/77-78/8070.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Kanpur, on 2-8-1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reasons to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

THE SCHEDULE

House bearing No. 7/183, Swaroop Nagar, Kanpur trans-
ferred for an apparent consideration of Rs. 1,10,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely:—

Date 10-3-1978.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1978

Ref. No. 1774.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kirti Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Kirpal Singh
s/o Shri Charan Singh
r/o Village Sansarpur, Jullundur.
(Transferor)
- (2) Smt. Tarsemi Kaur
w/o Shri Bhim Singh
r/o H. No. 15, Kirti Nagar, Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the registration sale deed No. 2991 dated August, 1977 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-4-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1978

Ref. No. AP-1175.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Rama Mandi, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—46 GI/78

(1) Shri Sohan Singh
s/o Shri Bhagat Singh,
r/o 93-Model House Colony, Jullundur.
(Transferor)

(2) 1. Shri Bikkar Singh
s/o Shri Gulyant Singh
2. Smt. Sudesh Kumari
w/o Shri Joginder Pal
3. Smt. Vidhya Rani
w/o Shri Kashmire Lal
4. Shri Harban Lal
s/o Shri Bhan Singh,
Near Alka Industries,
Rama Mandi, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registration sale deed No. 3011 of August, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sunder Singh
s/o Shri Diwan Chand
r/o N.H. 253, Nila Mahal, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1978

Ref. No. AP-1776.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Nila Mahal, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(2) Shri Harjit Singh Juneja
s/o Shri Ram Singh,
r/o N.H. 253, Nila Mahal, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the registration sale deed No. 3008 of August, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1978

(1) Krishan Lal
s/o Shri Gurditta Mal,
r/o 394-WS, Basti Sheikh, Jullundur.
(Transferor)(2) Shri Narinder Pal Singh, Shri Jatinder Pal Singh,
Shri Rupinder Pal Singh
Ss/o Shri Darshan Singh
r/o V. Shaffipur, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property](4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. AP-1777.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Basti Nau, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1977
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shops as mentioned in the registration sale deed No. 3483 of August, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th April 1978

Ref. No. AP-1778.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule situated at Mota Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Capt. Gurdev Singh
 s/o Major Wariam Singh Attorney of
 Shri Lakhjit Singh
 s/o Shri Bir Singh Purewal of 27-Park Area,
 Karol Bagh, New Delhi.
 (Transferor)

(2) 1. Shri Surinder Kumar
 s/o Pandit Gian Chand,
 r/o 716-Mota Singh Nagar, Jullundur.
 2. Shri Kartar Chand Sharma
 s/o Shri Bishan,
 r/o 718-Mota Singh Nagar, Jullundur.
 (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
 [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the registration sale deed No. 3337 of August, 77 of the registering authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(1) Shri Resham Singh
s/o Shri Ram Chand,
r/o Vill. Pattar Kalan, Teh. Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Surinder Pal Singh
s/o Shri Arminder Singh,
r/o V. Parah Pind, Teh. Jullundur.
(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AP-1779.—Whereas, I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Prah Pind, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the registration sale deed No. 2947 of August, 77 of the Registering authority, Jullundur.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-4-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th April 1978

Ref. No. AP-10/165/PHL/77-78.—Whereas, I,
P. N. MALIK
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Rourka Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Singh
s/o Shri Kartar Singh,
R/o Village Rourka Kalan,
Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Gurmej Kaur
w/o Shri Atma Singh,
R/o Village Rourka Kalan,
Teh. Phillaur, Distt. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house at village Rourka Kalan as mentioned in sale deed No. 2191 dated 16-8-1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 7-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rajinder Singh
s/o Shri Paramjit Singh
s/o Shri Phool Singh,
R/o Village Ladhuwala Utar,
Tch. Fazilka.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

(1) (1) Shri Nathu Ram (2) Shri Rajesh Kumar
(3) Shri Om Parkash, (4) Shri Surinder Kumar
(5) Shri Harish Kumar and (6) Shri Ravinder Kumar s/o Shri Mithan Lal
s/o Shri Kishore Chand,
R/o Muktsar.
Distt. Faridkot.

(Transferees)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Bhatinda, the 7th April 1978

Ref. No. AP No. 5/MKT/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 32 Kanals and 8 marlas situated at Muktsar as mentioned in sale deed No. 1110 of August, 1977 registered with the S.R. Muktsar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 7-4-1978

Seal :

FORM ITNS —————**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 7th April 1978

Ref. No. AP No. 6/MKT/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regisering Officer at Muktsar on August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

1. (1) Smt. Chand Kaur
w/o Shri Bshan Singh
s/o Shri Jawala Singh,
R/o Sanipure, Teh. Sirhand
through Mukhtiar-i-am Shri. Kartar Singh
s/o Shri Arjan Singh,
R/o Vill. Suhela Wala, Teh. Fazilka.
(Transferors)
2. (1) Sh. Nathu Ram Doorma (2) Sh. Rajesh Kumar
(3) Shri Om Parkash, (4) Shri Surinder Kumar
(5) Shri Harish Kumar and (6) Shri Ravinder
Kumar so Shri Mithan Lal
s/o Shri Kishore Chand,
R/o Muktsar.
Distt. Faridkot.
(Transferees)
3. As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
4. Any othe person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 Kanals and 10 marlas situated at Muktsar as mentioned in sale deed No. 1092 of August, 1977 registered with the S.R. Muktsar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 7-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Daulat Ram
s/o Shri Karam Chand
s/o Shri Rulia Mal,
R/o Muktsar.

(Transferor)

(2) Smt. Jaswinder Kaur,
Ex-w/o Shri Jagmohan Singh
s/o Bhai Gajjan Singh,
R/o Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 62 Kanals and 12 marlas situated at Muktsar as mentioned in sale deed No. 1143 of August, 1977 registered with the S.R. Muktsar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—46GI/78

Date : 7-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th April 1978

Ref. No. AP No. 8/HSR/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parduman Singh
s/o Shri Bishan Singh,
R/o Mao Patti, Teh. Phagwara,
Distt. Kapurthala.

(Transferor)

(2) Shri Gur Charan Singh
s/o Shri Varyam Singh and
Shri Ajit Singh, Gurmit Singh Tarsem Singh
S/o Shri Gurcharan Singh,
R/o Dadiani Khurd,
Teh. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop and a house situated at Railway Road, Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 1972 dated 12-8-1977 registered with the S.R. Hoshiarpur.

P. N. MALIK,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 7-4-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sham Kaur
wd/o Shri Sucha Singh
s/o Shri Sunder Singh,
R/o Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 7th April 1978

(2) Shri Daishan Singh
so Shri Sardara Singh,
R/o Village Muktsar, Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 37 Kanal and 3 marlas situated at village Muktsar as mentioned in sale deed No. 1290 of September, 1977 registered with the S.R. Muktsar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 7-4-1978

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1978

Ref. No. AP No. 1/BTI/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amar Nath
s/o Shri Kishore Chand,
Commission Agents, Mansa.
(Transferor)

(2) S/Shri Devi Dayal, Data Ram, Fateh Chand
s/o Shri Bhagat Ram
c/o Sain Dass Lekh Raj, Cycle Dealers,
Gurdwara Chowk, Mansa.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share of a shop situated at Gurdwara Chowk, Mansa as mentioned in sale deed No. 2583 of August, 1977 registered with the S.R. Mansa.

P. N. MALIK,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Rakesh Kumar
s/o Shri Daulat Ram
s/o Shri Lal Chand,
R/o Moga
now W.H. 44-Maya Devi Nagar,
New Delhi-27.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1978

(2) Dr. Vir Bhan (HUF)
through Dr. Vir Bhan Garg
s/o Shri Sardu Mal
s/o Shri Mam Chand,
R/o Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot measuring 1 Kanal and 14 marlas on G.T. Road, Moga as mentioned in sale deed No. 4607 of September, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-4-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Ramesh Kumar
s/o Shri Daulat Ram
s/o Shri Lal Chand,
R/o Moga

(Transferor)

(2) Dr. Vir Bhan (HUF)
through Dr. Vir Bhan Garg
s/o Shri Sardu Mal
s/o Shri Mam Chand,
R/o Partap Road, Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1978

Ref. No. AP No. 3/Moga/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Moga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot measuring 1 Kanal and 14 marlas situated on G.T. Road, Moga as mentioned in sale deed No. 4571 of September, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 6-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 6th April 1978

Ref. No. AP No. 4/Moga/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Moga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Moga on September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Prem Sagar
s/o Shri Daulat Ram
s/o Shri Lal Chand,
R/o Moga

(Transferor)

(2) Dr. Vir Bhan (HUF)
through Dr. Vir Bhan Garg
s/o Shri Sardu Mal
s/o Shri Mam Chand,
R/o Partap Road, Moga.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1 Kanal and 14 marlas on G.T. Road, Moga as mentioned in sale deed No. 4572 of September, 1977 registered with the S.R. Moga.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 6-4-1978

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 11th April 1978

Ref. No. 11/166/PHL/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Goraya (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phillaur on August, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Gurbax Finance Co. (P) Ltd, Banga Road, Phagwara, through Shri Sadhu Singh s/o Shri Nand Singh, Managing Director. (Transferor)

(1) 1. S/Shri Smriti Singh, 2. Bhupinder Singh, 3. Jagtar Singh, 4. Gurmail Singh, 5. Kulbir Singh and 6. Makhan Singh s/o Shri Surjit Singh, r/o village Shanker, Tch. Nakodar. (Transferee)

(3) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property]

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey structure known as 'Gobind Market' situated on G.T. Road, near Bus Stand, Goraya as mentioned in sale deed No. 1988 of August, 1977 registered with the S.R. Phillaur.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 11-4-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Godawari Devi, Ramesh Chand & Sudharani.
(Transferor)

(2) Smt. Darshani Devi.
(Transferee)

(3) As in (1) above.
[Person in occupation of the property]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 4th March 1978

Ref. No. D-29/ACQ.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As given overleaf in the schedule situated at Dist. Garhwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Landsdown, Garhwal on 1-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house consisting of one room, double storeyed measuring 15' long 12' wide, one verandah ahead situate at Khet No. 7(ka) Vill. Paniyali, Talli Halqa, Sukhro.

One house double storeyed, only one room 21' long 15' wide, two godown one storeyed which are 21' long & 15' wide.

One house double storeyed 25' long & 20' wide, verandah ahead having road in East and North and land of Shri Ved Prakash in West and Boundary line in the South. situated at Mauza Paniyali Talli, Halka, Sukhro, Teh. Kotdwar, Distt. Garhwal and all that which is mentioned in the sale deed dated 30-7-1977 and form 37-G dated 1-8-1977 registered in the office of the Sub-Registrar, Landsdown, Garhwal.

Vendor—1. Smt. Godawari Devi W/o Shri Ved Prakash R/o Patel Marg, Kotdwar, P.O. & Teh. Kotdwar, District Garhwal;

Vendee—1. Shri Ramesh Chandra S/o Shri Ved Prakash;
2. Smt. Sudha Rani W/o Shri Prem Chandra &
3. Smt. Darshani Devi W/o Shri Kirat Singh Rawat, All residents of Patel Marg, Kotdwar, Dist. Garhwal.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 4-3-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19-46GI/78

FORM ITNS

(1) Smt. Godawari Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Darshani Devi.

(Transferee)

(3) Smt. Godawari Devi.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW57, Ram Tirth Marg, Lucknow
Lucknow, the 4th March 1978

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. D/30/ACQ.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Khet No. 7(ka), 0.21 acre situated at Mauza Paniyali, Talli Halka, Sukhro, Teh. Kotdwara, Distt. Garhwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lansdown Garhwal on 1-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Khet No. 7(ka) 0.21 acre land Mauza Paniyali Talli Halka Sukhro Tehsil Kotdwara, Dist. Garhwal and all that which is entered in sale-deed dated 30-7-77 and form 37-G no. 259I dated 1-8-77 duly registered in the office of the Sub-Registrar, Lansdown, Garhwal.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-3-1978
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Gopal Lal Barman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pratap Narain Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Gopal Lal Barman
(As per form 37G)
[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 8th March 1978

Ref. No. 65-P/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-21/34-A, Kamachha, Varanasi,
situated at Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 5-8-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three-storeyed house No. B-21/34-A, Mohalla Kamachha, Varanasi and all that which is entered in Form 37G (No. 4228 dated 5-8-77) and sale deed duly registered at the office of the Sub Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-3-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

FORM ITNS

(1) Smt. Pratibha Mukerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Grish Chandra Srivastava and Sitaram Saran Nigam.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 14th March 1978

Ref. No. 160-S/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10, situated at Panna Lal Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 2-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A house alongwith land No. 10 measuring 1300 sqr. mtr. situated at Panna Lal Road Allahabad (Free Hold) and all that which mentioned in sale-deed and form 37-G No. 2564 dated 2-8-1977 registered at Sub-Registrar office Allahabad.

AMAR SINGH BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 14-3-1978

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Bankim Chandra Chatterjee
1/1, Brindaban Mullick Lane,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dinesh Chandra Chattopadhyay
1/1, Brindaban Mullick Lane,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 20th December 1977

Ref. No. 399/Acq. R-III/77-78/Cal.—Whereas, I, KISHORE SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/1, situated at Brindaban Mullick Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Undivided half share of the property at 1/1, Brindaban Mullick Lane, Calcutta measuring five cottahs two chittacks of land together with a three storied building which was registered under Deed No. 3850 of 1977 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 20-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Md. Shamsul Huda
26/C, Noor Ali Lane, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 29th December 1977

Ref. No. S1. 441/TR-88/C-76/Cal-1/77-78.—Whereas, I, L. K. SUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27, situated at Beniapukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S, Govt. Place, North, Calcutta on 12-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Saadat Karim
10, Tanti Bagan Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. Dr. Masud Alam.
2. Md. Samsuddin Ahmed.
3. Moufvi S. Huda.
4. M/s. Oriental Lathe Works.
5. M/s. National Instruments & Trading Co.
all of 27 Beniapukur Road, Calcutta.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that four-storied building at premises No. 27, Beniapukur Road, Calcutta standing on 3 Cottahs 8 Chittacks of land as per deed of conveyance registered as No. I-3740 of 1977.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 29-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Prabha Devi Bagaria
7, Ashoka Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Durga Prasad Nathani,
17, Sarkar Lane, Calcutta.

(Transferee)

(3) Nathany Udyog
Sri Ramkishore & Sons.
Sri Krishna Kant Gupta.
Sri Shiwratan Agarwal.

[Person in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III,
54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 12th January 1978

Ref. No. 4017Acq. R-III/77-78/Cal.—Whereas, I, KJSHORE SEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 165, situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-8-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Undivided one forth share of land together with a building at 165, Chittaranjan Avenue, Calcutta registered under deed No. 3783 of 1977 before the Registrar of Assurances, Calcutta.

KISHORE SEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-1-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Sadhana Properties Private Ltd.,
14, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th February 1978

Ref. No. Sl. 442/TR-79/C-85/Cal-1/77-78.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1A of premises No. 3 situated at Loudon Street, Calcutta-16 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 6-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) M/s. Bhartia Electric Steel Company Ltd.,
8, Anil Mitra Street,
Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1A, first floor, at premises No. 3, Loudon Street with store room, servants quarters and car parking space together with proportionate 6.75% share in the land and the common properties and with all rights and liabilities as per Deed No. I-3623 of 1977 registered on 6-8-77 with Registrar of Assurance, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 16-2-78

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Sadhana Properties Private Ltd.,
14, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.
(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Chowdhury
3, Loudon Street, Calcutta-16.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th February 1978

Ref. No. Sl. 443/TR-83/C-81/Cal-1/77-78.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 1B of premises No. 3 situated at Loudon Street, Calcutta-16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 6-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid person with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1B (first floor) at premises No. 3, Loudon Street with store room and servants quarters together with proportionate 6.75% share in the land and other common properties and with all rights and liabilities as per Deed No. I-3626 of 1977 registered on 6-8-77 with Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 16-2-78

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 16th February 1978

Ref. No. Sl. 444/TR-87/C-77/Cal-1/77-78.—Whereas, I, L. K. BALASUBRAMANIAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 179A, 179/1A, 179/2A, 179/3A, situated at Dharmatola Street, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place, North Calcutta on 12-8-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Sri Dinendra Nath Mullick and
(2) Sri Rajendra Nath Mullick, both of 25A, Debendra Mullick Street, Calcutta-12.

(Transferor)

2. (1) M/s. Parasnath Pictures,
179/1A Dharmatola St., Calcutta-13
(2) Sri L. K. Atha (Alias Lalji Khatua Atha)
7, Khairoo Lane, Calcutta-17.
(3) Sri Naresh Kumar Agarwala,
122/1/Y Monoharpukur Road, Calcutta-26.

(Transferee)

3. (1) Jimmy Sapur Ardesher,
179/1A, Dharmatola Street, Calcutta.
(Ground floor).
(2) Sri Narayan Das Damani
179/1A, Dharmatola Street, Calcutta.
(1st floor).
(3) Dr. S. K. Bhar
179/1A, Dharmatola Street, Calcutta.
(1st floor).
(4) M/s. Dominion Traders,
179/2A Dharmatola Street, Calcutta,
(2nd floor).
(5) M/s. Tara Barman
179/3A, Dharmatola Street, Calcutta,
(3rd floor).
(6) M/s. Kamala Films
179/3A, Dharmatola Street, Calcutta,
(3rd floor).
(7) M/s. Sur-O-Sree
179/3A, Dharmatola Street, Calcutta,
(3rd floor).

(Persons in occupation of the property)

4. (1) Smt. Mangala Mullick and
(2) Smt. Sabbitri Mullick
both of 25A, Debendra Mullick Street, Calcutta-12.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Four storied building together with land containing two cottahs more or less being premises Nos. 179A, 179/1A, 179/2A & 179/3A, Dharmatola Street, Calcutta, registered under Deed No. I-3731 of 1977 on 12-8-1977 with the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 16-2-1978

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE
INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL
SERVICE EXAMINATION, 1978

New Delhi, the 29th April 1978

No. F. 12/1/77-E.I.(B).—A combined competitive examination for recruitment to Grade IV of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Services Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, JAMMU, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR AND TRIVANDRUM commencing on the 5th September, 1978 in accordance with the Rules published by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 29th April, 1978.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, para 11).

2. The services to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in Grade IV of the two Services are given below:—

(i) The Indian Economic Service	10
(ii) The Indian Statistical Service	20

The above numbers are liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the examination in respect of any one or both the Services mentioned in para 2 above. Once an application has been made, no change will ordinarily be allowed.

If a candidate wishes to be admitted for both the Services, he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only, and will not be required to pay separate fee for each of the Services for which he applies.

N.B.—A Candidate will be considered only for the Service(s) for which he applies. A candidate who applies for both the Services should specify clearly in his application the order of his preference for the Services, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preference when making appointments.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1978. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN ECONOMIC SERVICE/INDIAN STATISTICAL SERVICE EXAMINATION, 1978 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 12th June, 1978 (26th June, 1978 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 12th June, 1978) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 12th June, 1978.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rs. 12.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

7. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

8. A refund of Rs. 30.00 (Rs. 8.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note I below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. GOELA,
Deputy Secretary

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. *The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE

NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his applications through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rate employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate *must* send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and paras 5 and 6 below).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession, where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii) (v) & (vi) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1978. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR THE VIVA VOCE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF VIVA VOCE. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (vi) are given below and in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Certificate of Age.—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualifications.—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate, showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can, to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination, an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of the University certificate.

NOTE.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but their admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination as soon as possible and in any case not later than 1st December, 1978.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application, and in any case they must reach Commission's office [except as provided for in Note under paragraph 3(iii) above] within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* _____ and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* _____ of _____ District/Division* of the State/Union Territory* of _____

Signature.....

**Designation.....

(with seal of Office)

Place

Date

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate)

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development officer (Lakshadweep).

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5(b) (ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971:—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.

(ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under para-

graph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to be migrated under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vii) or 5(b)(viii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(ix) or 5(b)(x) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified the Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under rule 5(b)(xi) or 5(b)(xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate, in the form prescribe below, from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(viii) A candidate claiming age concession under rule should submit (i) an attested/certified copy of a certificate from the detaining authority under his seal stating

that the candidate had been detained under the Maintenance of Internal Security Act or (ii) an attested/certified copy of a certificate from the Sub-Divisional Magistrate having jurisdiction in the area stating that the candidate had been arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder specifying the dates between which he was arrested or imprisoned and certifying that the detention or arrest or imprisonment, as the case may be, was in pursuance of the candidate's political affiliations or activities or his association with the erstwhile banned organisations.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the Examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India, Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms).

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counters of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi, (110001) and office of the Union Public Service Commission, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Communications regarding applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

1. NAME OF EXAMINATION.

2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

3. ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

14. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

